राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

एक को देखकर दूसरे को भी ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

गुरुवार, 18 मई 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 10 अंक: 147 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

2014 के पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत-पाकिस्तान का नाम साथ लिया जाता था

जेपी नड्डा बोले– आज दुनिया मान देख रही...

नई दिल्ली। कांदिवली पश्चिम में पन्ना प्रमुखों की बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि 2014 के पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई भी भारत का नाम लेता था तो कहता था भारत और पाकिस्तान, अगर भारत का नाम लिया जाएगा तो पाकिस्तान का भी नाम आएगा। 2014 के बाद अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत भारत है और पाकिस्तान कहां है ये सबको मालूम है। आज दुनिया मान गई है कि भारत ऊपर जा रहा है। वैश्विक विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, भारत की मुद्रास्फीति दर नियंत्रण में है और जीडीपी तेज गति से बढ़ रही है। साथ ही, पीएम मोदी के मजबूत नेतृत्व में, भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है, जिसने ब्रिटेन को भी पीछे छोड़ दिया है, जिसने लगभग 2 शताब्दियों तक हम पर शासन किया था! कांग्रेस के विपरीत, भाजपा ने हमेशा लोगों के जीवन में अंतिम छोर तक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की हैं। साथ ही कांग्रेस की श्कमीशन सरकारश के विपरीत हमारी सरकार ने हजारों करोड़ सीधे लोगों के बैंक खातों में ट्रांसफर किए हैं। 2014 से पहले लगभग करोड़ों बहनें लकड़ी का चूल्हा जलाती थीं, आज श्उज्ज्वला योजनाश के तहत 9.60 करोड़ से अधिक महिलाओं को निशुल्क एलपीजी गैस कनेक्शन दिया गया है। योजनाएं पहले भी बनती थीं, नीतियां पहले भी बनती थीं, लेकिन वह अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाती थीं।

मुख्तार अंसारी के लिए आई राहत भरी खबर, कोर्ट ने इस केस में किया बरी, फिर भी जेल में ही रहना होगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बांदा जेल में बंद बाहुबली पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी को लेकर एक राहत भरी खबर आई है। दरअसल, एक मामले में कोर्ट ने उसे बरी कर दिया है। पूरा का पूरा मामला 2009 का है जब मीर हसन नाम के शख्स ने हत्या के प्रयास का मामला मुख्तार अंसारी के खिलाफ दर्ज कराया था। इस मामले में गाजीपुर की एमपी एमएलए कोर्ट ने हत्या के प्रयास के मुकदमे में मुख्तार अंसारी को दोषमुक्त करार दिया है। इस केस में मुख्तार अंसारी पर साजिश रचने का आरोप लगाया गया था। साथ ही साथ मीर हसन ने सोनू यादव के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस हुई दर्ज कराया था। आज किसी को लेकर गाजीपुर के एमपी एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई और मुख्तार अंसारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुआ। यह फैसला मुख्तार अंसारी के लिए बड़ी खबर है। हालांकि, कृष्णानंद राय हत्याकांड मामले समेत कई मामलों में मुख्तार अंसारी को कारावास की सजा सुनाई जा चुकी है। उसके खिलाफ पहले से ही 50 से अधिक मामले चल रहे हैं। वह जेल में बंद है। इसलिए इस केस में राहत मिलने के बाद भी मुख्तार अंसारी जेल से बाहर नहीं आ सकता। अप्रैल में जिले की एक अदालत ने गैंगस्टर से नेता बने पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी को गैंगस्टर एक्ट के 14 साल पुराने एक मामले में 10 साल कैद और पांच लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। जबकि उसके बड़े भाई बसपा सांसद अफजाल अंसारी को चार साल की सजा और एक लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है। गौरतलब है कि अफजाल अंसारी गाजीपुर संसदीय क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सांसद हैं। वहीं, मुख्तार अंसारी पड़ोसी जिले मऊ की मऊ सदर विधानसभा सीट से लगातार पांच बार विधायक रह चुके हैं। मुख्तार अंसारी ने 2022 में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा था और उनकी सीट पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) से किस्मत आजमा रहे उनके बेटे अब्बास अंसारी विधायक चुने गए। मुख्तार अंसारी इस समय आपराधिक मामलों में बांदा की एक जेल में बंद हैं। अफजाल अंसारी सोमवार को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिये गए।

मोदी सरकार ने कैबिनेट मीटिंग में की खाद पर सब्सिडी की घोषणा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट की बैठक हुई। इस दौरान कई अहम फैसले किए गए। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और अश्विनी वैष्णव ने बैठक के दौरान लिए गए फैसलों के बारे में जानकारी दी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि कैबिनेट ने तय किया है कि सरकार खाद के दाम नहीं बढ़ाएगी। कैबिनेट ने खरीफ सीजन के लिए 1.08 लाख करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी को मंजूरी दी है। सरकार यूरिया के लिए 70,000 करोड़ रुपये और डाई–अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) के लिए 38,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी। हमारी सरकार के लिए यह जरूरी है कि देश के किसानों को खाद समय पर मिल सके और अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद के दाम घटने का बोझ न उठाना पड़े। पिछले साल सरकार के बजट में उर्वरक सब्सिडी पर 2.56 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए। देश में 325 से 350 लाख मीट्रिक टन यूरिया उपयोग होता है। 100 से 125 लाख मीट्रिक टन डीएपी और एनपीके को उपयोग होता है। 50–60 लाख मीट्रिक टन एमओपी का इस्तेमाल होता है। किसानों को समय पर खाद मिले इसके लिए मोदी सरकार ने सब्सिडी बढ़ाई पर एमआरपी नहीं बढ़े। खरीफ फसलों के लिए सरकार ने तय किया है कि भारत सरकार खाद की कीमत नहीं बढ़ाएगी।

जाति सर्वेक्षण : बिहार सरकार ने कोर्ट में दिया आर्टिकल 15-16 का हवाला, जस्टिस संजय करोल ने सुनवाई से खुद को किया अलग

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश संजय करोल ने बुधवार को बिहार सरकार द्वारा दायर उस याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया, जिसमें बिहार सरकार द्वारा जाति सर्वेक्षण पर रोक लगाने के पटना उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति करोल 6 फरवरी को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत होने से पहले पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे। उन्होंने कहा कि वह कुछ संबंधित मुकदमों में पक्षकार थे, जिन्हें पहले उच्च न्यायालय में सुना गया था। शीर्ष अदालत की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति बीआर गवई भी शामिल थे, ने निर्देश दिया कि इस मामले को भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के समक्ष एक उपयुक्त पीठ के गठन के लिए रखा जाए। उच्च न्यायालय के 4 मई के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में दायर एक अपील में बिहार सरकार ने कहा कि स्थगन से पूरी कवायद पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। राज्य ने कहा कि जाति आधारित डेटा का संग्रह अनुच्छेद 15 और 16 के तहत एक संवैधानिक आदेश है। संविधान के अनुच्छेद 15 में कहा गया है कि राज्य किसी भी नागरिक के खिलाफ केवल धर्म, नस्ल, जाति, लिंग, जन्म स्थान या इनमें से किसी के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा, जबकि अनुच्छेद 16 में कहा गया है कि सभी नागरिकों के लिए समान अवसर होंगे। राज्य पहले ही कुछ जिलों में 80 प्रतिशत से अधिक सर्वेक्षण कार्य पूरा कर चुका है और 10 प्रतिशत से कम कार्य लंबित है। पूरी मशीनरी जमीनी स्तर पर काम कर रही है।

इन मोस्ट वांटेड गैंगस्टर्स पर एनआईए की रेड, टेरर एंगल की भी हो रही जांच

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को एक बड़े ऑपरेशन में गैंगस्टरों, ड्रग तस्करों और आतंकवादी समूहों के बीच कथित सांठगांठ पर कार्रवाई के तहत छह राज्यों में 100 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की। एजेंसी खालिस्तानी तत्वों के साथ संबंधों की भी जांच कर रही है। देश के सात से ज्यादा राज्यों के अलावा राजस्थान में भी रेड जारी है। राजस्थान के टॉप मोस्ट पांच गैंगस्टर और उनकी टीम को टारगेट किया गया है। इन गैंगस्टर में लॉरेंस विश्नोई, रोहित गोदारा, लादेन जैसे बड़े बदमाश शामिल हैं। इन पांच में से कुछ को गिरफ्तार किया गया है और कुछ फरार चल रहे हैं। एनआईए ने राजस्थान में भी कई ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी जयपुर, चूरू, अलवर, हनुमानगढ़, गंगानगर और राजस्थान के अन्य शहरों में की गई। सूत्रों ने बताया कि एनआईए की टीमों ने भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किए हैं। इस दौरान टीम गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई सहित अन्य गैंगस्टर के ठिकानों पर पहुंची। इस दौरान बड़ी मात्रा में अवैध हथियार भी बरामद किए गए हैं। कैश और अन्य दस्तावेज भी बरामद होने की सूचनाएं हैं।

मणिपुर की जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए पर्यवेक्षकों को भेजेगी कांग्रेस, मल्लिकार्जुन खरगे ने लिया फैसला

नई दिल्ली। इस महीने की शुरुआत में हिंसा से प्रभावित मणिपुर में स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कांग्रेस ने बुधवार को राज्य में जमीनी हकीकत का पता लगाने के लिए पर्यवेक्षकों को भेजने का फैसला किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार शाम पार्टी कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद यह निर्णय लिया। खड़गे ने ट्विटर पर कहा कि मणिपुर कांग्रेस के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुझे उन जबरदस्त कठिनाइयों से अवगत कराया, जिनसे मणिपुर के लोगों को इस मुश्किल समय में गुजरना पड़ा। जमीनी हकीकत का पता लगाने के लिए पर्यवेक्षकों की एक टीम जल्द ही भेजी जा रही है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि मणिपुर में स्थिति तनावपूर्ण और बेहद चिंताजनक है। खरगे ने कहा कि केंद्र सरकार को राज्य में स्थिति सामान्य होते देखने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। शांति सुनिश्चित करने में हर समुदाय की हिस्सेदारी है। आइए हम सभी को विश्वास में लें।

एनएचआरसी ने डीएमक सरकार को नोटिस जारी किया, मरने वालों की संख्या 22 पहुंची

चेन्नई। तमिलनाडु के विल्लुपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में हुई जुड़वां शराब त्रासदियों में मरने वालों की संख्या मंगलवार को चार और लोगों की मौत के बाद बढ़कर 22 हो गई। सप्ताहांत में अवैध शराब के सेवन से अब तक विल्लुपुरम जिले के मरक्कनम से चौदह और चेंगलपट्टू जिले के मदुरंथकम से आठ लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके सरकार और डीजीपी सिलेंद्र बाबू को जुड़वां जहरीली शराब त्रासदियों को लेकर नोटिस जारी किया। आयोग ने एक बयान में राज्य सरकार से अवैध शराब की बिक्री और सेवन पर रोक लगाने को कहा है।

एनएचआरसी ने सरकार को थमाया नोटिस

समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया एनएचआरसी ने यह भी देखा कि यदि मीडिया रिपोर्टों की सामग्री को सच माना जाता है, तो यह (जुड़वां जहरीली त्रासदी) लोगों के जीवन के अधिकार के उल्लंघन के बराबर है।

तमिलनाडु डीजीपी ने कहा–

भ्ववबी नहीं बल्कि डमजींदवस विषाक्तता है असली कारण: राज्य के डीजीपी ने कहा है कि शराब में मेथनॉल पाया गया था। मामले की जांच क्राइम ब्रांच सीआईडी को ट्रांसफर कर दी गई थी।

डीएमके को विपक्ष का सामना करना पड़ा

राज्य सरकार को विपक्षी नेताओं से भी आलोचना का सामना करना पड़ा क्योंकि तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई ने डीएमके पर आरोपी अमावसाई को मुआवजा प्रदान करने का आरोप लगाया। अन्नामलाई ने ट्विटर पर लिखा, ष्अमावसई चेंगापट्टू अवैध अरक मामले में मुख्य आरोपी था और वह चेंगलपट्टू जिले के चिथमूर में एक डीएमके पदाधिकारी का भाई है। गिरफ्तारी के डर से, अमावसाई ने अवैध शराब पीने का नाटक किया, जिसके कारण उसने अस्पताल में भर्ती कराया गया था और डीएमके सरकार, जिसने अस्पताल में भर्ती लोगों के लिए 50,000 रुपये के मुआवजे की घोषणा की थी, ने अमावसाई को भी राशि दी है।ष

जफरयाब जिलानी का लखनऊ में हुआ निधन, अयोध्या बाबरी विवाद में मुस्लिम पक्ष के वकील थे

लखनऊ। वरिष्ठ वकिल जफरयाब जिलानी का आज लखनऊ में निधन हो गया है। वह लम्बे समय से बीमार चल रहे थे। उनका उपचार लखनऊ में कराया जा रहा था। जफरयाब जिलानी देश के मसहूर वकील रहे हैं। वह अयोध्या बाबरी विवाद में मुस्लिम पक्ष के वकधील थे। जफरयाब जिलानी मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के मेंबर रहे। इसके अलावा बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के अध्यक्ष और यूपी के अपर महाधिवक्ता रह चुके थे। वह सुन्नी वक्फ बोर्ड काउंसिल से ताल्लुक रखते हैं। जीलानी के बेटे नजम जफरयाब ने बताया कि उनके पिता ने लखनऊ के निषाद अस्पताल में पूर्वान्ह करीब 11 बज कर 50 मिनट पर आखिरी सांस ली। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी है। वह ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सचिव थे, जो 1972 से काम कर रहा है। मई 2021 में उन्हें ब्रेन हेमरेज के कारण मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी भूमिका को जल्द ही पहचान लिया गया और उन्हें शाह बानो मामले पर पर्सनल लॉ बोर्ड एक्शन कमेटी का संयोजक बनाया गया।

पायलट–गहलोत के घमासान पर खड़गे की पैनी नजर

कर्नाटक का मसला हल करने के बाद आएगी राजस्थान की बारी

नई दिल्ली। राजस्थान कांग्रेस में खींचतान को लेकर पार्टी में अलग–अलग राय देखने को मिल रही हैं। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी खुलकर सीएम अशोक गहलोत के पक्ष में दिख रहे हैं। हालांकि, माना जा रहा है कि राजस्थान के घटनाक्रम पर आलाकमान की पैनी नजर है। दावा किया जा रहा कि कर्नाटक ने निपटने के बाद पार्टी राजस्थान मसले को सुलझाने की कोशिश करेगी। वहीं, राजस्थान कांग्रेस के सह प्रभारी काजी निजामुद्दीन ने सचिन पायलट को मजबूत स्तंभ बताते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे घटनाक्रम से वाकिफ हैं और जल्द फैसला करेंगे। आपको बता दें कि कांग्रेस के असंतुष्ट नेता सचिन पायलट ने अपनी पांच दिन की जनसंघर्ष यात्रा के बाद सोमवार को एक जनसभा की थी। इस जनसभा के जरिए पायलट ने अपनी पार्टी के सरकार को अल्टीमेटम दे दिया था। काजी निजामुद्दीन ने कहा कि जहां कहीं मजबूती हो वहीं तो दावेदारी होती है... अब यहां ऐसी कोई पार्टी जिसका अस्तित्व ना हो उसका कौन दावेदार होगा... जिस पार्टी में दम होता उसी में दावेदारियां होती हैं और दावेदारियां इतनी मजबूत होती हैं जिसका कोई ठिकाना नहीं। पायलट की विभिन्ध्न मांगों पर उन्ध्होंने कहा कि घरों में यह प्रक्रियाएं सदा चलती रही हैं... सदा चलती रहेंगी. .. प्रदेशों में चलती रही.. देशभर में चलती रही.. यह एक पॉलिटिक्ल फिध्नोमिना है इसको कहीं भी रोका नहीं जा सकता। पिन प्वाइंट' कोई चीज होगी तो उस पर सरकार जरूर काम करेगी। लेकिन मैंने इस पर आपसे कहा यह विषय हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के संज्ञान में है। दूसरी ओर चौधरी ने कहा कि जो कुछ भी चाहता है, उसे करने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने पहले भी बहुत कुछ किया है। मैं एक बात कह सकता हूं कि अगर काबिल मुख्यमंत्रियों की लिस्ट बनेगी तो अशोक गहलोत जरूर पहली पंक्ति में होंगे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव और राज्य सह प्रभारी अमृता धवन ने कहा कि पायलट पर अंतिम फैसला राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और खड़गे लेंगे।

विद्युत विभाग की घोर लापरवाही से गई मासूम बच्चे की जान

9 वर्षीय मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत, जिसके बाद पूरे गांव में मातम

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। सूचना के बाद भी नहीं सही कराया गया था विद्युत लाइन कर्नलगंज थाना क्षेत्र के मीनापुर गांव में आज बिजली विभाग की लापरवाही के चलते 9 वर्षीय मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई, जिसके बाद पूरे गांव में मातम मच गया। करंट लगने के बाद गांव के एक व्यक्ति ने बच्चे को जमीन में पड़ा हुआ देखकर तुरंत शोर मचाकर लोगों को बुलाया, साथ ही बच्चे को बचाने का तुरंत प्रयास किया गया, लेकिन जब तक ग्रामीणों के द्वारा कोई भी प्रयास किया जाता उससे पहले ही विद्युत करंट बच्चे को मौत की नींद सुला चुकी थी। जिसके बाद लोगों ने तत्काल इसकी सूचना परिजनों को दी, जहां मौके पर पहुंचे परिजन बच्चे का शव देखकर आंसुओं के सागर में डूब गए। घटना कर्नलगंज थाना क्षेत्र के मीनापुर गांव का है। जहां के निवासी दिनेश कुमार गुप्ता का 9 वर्षीय नाबालिग पुत्र रुपेंद्र कुमार गुप्ता जो प्रतिदिन अपने घर से महज चंद कदमों की दूरी पर बने नीम के थान के पेड़ की पूजा करने जाता था। जहां आज भी नाबालिग रूपेंद्र स्नान करने के बाद नीम के थान की पूजा करने गया था, जहां थान के बगल में ही बिजली का एक पोल लगा है, और उसी पोल से सपोर्ट लाइन थान के बगल लगाई गई है, जिसमें कुछ दिनों से विद्युत करंट आ रहा था। जिसको लेकर ग्रामीणों ने कई बार इसकी मौखिक सूचना बिजली विभाग को दी, लेकिन बिजली विभाग के द्वारा इस गंभीर विषय पर कोई कार्यवाही नहीं की गई, जिसका खामियाजा आज एक 9 वर्षीय नाबालिग को भुगतना पड़ा, और खामियाजे के तौर पर उसे अपनी जान गंवानी पड़ी। हाथ विद्युत पोल से लगे सपोर्ट लाइन से छू गया जिससे सुबह करीब 8. 30 बजे 9 वर्षीय नाबालिग रुपेंद्र पूजा करने के लिए नीम के थान के पेड़ के पास गया था, जहां पूजा करने के दौरान परिक्रमा करते समय उसका हाथ विद्युत पोल से लगे सपोर्ट लाइन से छू गया। जिसके तुरंत बाद ही करंट की चपेट में आने से रुपेंद्र की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना के बाद नहीं पहुंचे अधिकारी करंट की चपेट में आने से नाबालिक बच्चे की मौत के बाद सबसे बड़ी लापरवाही देखने को मिली कि ग्रामीणों के द्वारा इसकी सूचना पुलिस प्रशासनिक व बिजली विभाग के अधिकारियों को दी गई, लेकिन मौके पर कोई भी संबंधित अधिकारी नहीं पहुंचा।

अहियाचेत में गायब 18 वर्षीय युवती का 30 घंटे बाद घर के सामने बाग में मिला शव

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और डॉग स्क्वॉड व फोरेंसिक टीम पूरे मामले की जांच में जुटी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। कौड़िया बाजार के अहियाचेत में गायब 18 वर्षीय युवती का 30 घंटे बाद घर के सामने बाग में शव मिला है। युवती के शरीर पर सूजन है और कई जगह चोट के निशान मिले हैं। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और डॉग स्क्वॉड व फोरेंसिक टीम पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज प्रजापति ने बताया कि युवती के शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा कराकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पता लगाया जा रहा है कि किन परिस्थितियों में युवती का शव मिला है। युवती के गले में दुपट्टा लगा हुआ है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

डॉग स्क्वॉड व फोरेंसिक टीम कर रही जांच

अहियाचेत की रहने वाली 18 वर्षीय काजल कल सुबह से ही अपने घर से गायब चल रही थी। परिजनों द्वारा युवती को काफी खोजा गया लेकिन जब नहीं मिली तो थक हारकर परिजन अपने घर को चले गए। 30 घंटे बाद गायब युवती का घर के सामने ही बाग शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया और परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। युवती का शव कई घंटा पुराना होने के चलते शरीर फूला हुआ है। शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले हैं। परिजनों की सूचना पर पहुंची कौड़िया बाजार पुलिस और डॉग स्क्वॉड व फोरेंसिक टीमों द्वारा जांच की जा रही है। पुलिस ने युवती के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है।

पोस्टमॉर्टम के बाद पता चलेगा मौत का कारण

अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज प्रजापति ने बताया कि थाना कौड़िया के गांव में 18 वर्षीय बालिका का शव उसके घर के सामने संदिग्ध हालत में मिला हुआ है। परिजनों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई मौके पर फोरेंसिक और डॉग स्क्वाड उच्चाधिकारियों के द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है। शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा कराकर पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई की जा रही है। पता लगाया जा रहा है किन परिस्थितियों में यहां पर शव बरामद हुआ है। दुपट्टा जरूर गले में लगा हुआ है उसको देखा जा रहा है। पोस्टमॉर्टम के बाद ही पता चल पाएगा घटना का कारण क्या है।

स्वस्थ जीवन शैली के तहत सभी को जागरूक किया गया- मुख्य चिकित्सा अधिकारी रश्मि बर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

मोतीगंज,गोंडा। रेड क्रॉस सोसाइटी की जिला इकाई मुख्य चिकित्साधिकारी श्रीमती रश्मि वर्मा एवं उप मुख्य चिकित्सधिकारी डॉक्टर ए0 पी0 सिंह व रेडक्रास सोसायटी के मंडल प्रभारी कासीम सिद्दीकी ने करोना काल में किए गए कार्यों एवं समाज में लोगों को जागरूक करने हेतु नित्य प्रतिदिन किए जा रहे कार्यों हेतु मोहम्मद अनीस (ए आर पी) को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वर्तमान में पर्यावरण की रक्षा, ऊर्जा की बचत, जल संचय, सिंगल यूज प्लास्टिक (प्रयोग में कमी) सतत खाद्य प्रणाली को अपनाना, अपशिष्ट में कमी, स्वच्छता क्रियाएं स्वास्थ्य जीवन, शैली ई–वेस्ट में कमी हेतु सभी को जागरूक करने हेतु एक बैठक भी जिला चिकित्सालय में रविवार को आयोजित किया जाएगा ,जिसमें समाज के जिम्मेदार लोग प्रतिभाग करते हुए जिले को स्वच्छता के क्षेत्र में आगे बढ़ाने हेतु अपना योगदान दे सकते हैं।

स्कूल चलो अभियान रैली को हरी झंडी देकर किया रवाना

सोनबरसा के बच्चों ने रैली निकाल लोगों को स्कूल में नामांकन के लिए किया प्रेरित

दैनिक बुद्ध का संदेश

मोतीगंज,गोंडा। बुधवार को शिक्षा क्षेत्र मनकापुर के कम्पोजिट विद्यालय सोनबरसा बक्सरा आज्ञाराम में आयोजित स्कूल चलो अभियान रैली को ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विजय चौहान व तुंगनाथ मौर्य द्वारा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। बच्चे अपने हाथों में झंडे बैनर लिए हुए नव डिहवा चौराहा व अन्य पुरवे से होते हुए वापस स्कूल आए। बैनर में स्कूल की उपलब्धियों को गिनाया गया था। जिससे ग्रामवासी पढ़कर प्रेरित हो रहे थे।

बच्चों की एक टीम जिसमें काजल, लक्ष्मी, अमन, शिवम, पूनम, सुषमा, खुशनाज, मुनिया तिवारी आदि शामिल थे। विविध नारे लगा रहे थे। जिसमें पढ़ें, पढ़ाएं देश को उन्नत बनाएं, नारी हो या नर सभी बनो साक्षर, बड़े बुजुर्गों का यही है कहना शिक्षा से तुम दूर ना रहना, हम सब का यही नारा पढ़े–लिखे बच्चा हमारा, शिक्षा है अनमोल रतन पढ़ने का सब करो जतन आदि नारे लगा कर लोगों को स्कूल में नामांकन के लिए प्रेरित कर रहे थे। बीच–बीच में स्कूल चलो अभियान गीत भी बज रहे थे। इस रैली में स्कूल स्टाफ, बच्चे व अभिभावक शामिल हुए। जिसमें शिक्षक बलजीत सिंह कनौजिया, राम अनुज, शताब्दी वर्मा, अमर ज्योति, सुरेश कुमार, चित्रावती, देवेंद्र प्रताप, पूनम यादव, अनुराधा मिश्रा, रवीन्द्र कुमार आदि बच्चों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे थे।

आकाश का जूनियर इंटेलिजेंस अधिकारी पद पर चयन

बस्ती। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के लबड़ापुर निवासी आकाश सिंह गौतम का चयन नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो में जूनियर इंटेलिजेंस अधिकारी के रूप में हुआ है। अधिवक्ता नरसिंह प्रसाद सिंह के छोटे पुत्र आकाश वर्तमान में मुरादाबाद में रेलवे गार्ड के पद पर प्रशिक्षण ले रहे हैं। वे अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता, परिजन और गुरूजनों को देते हैं। आकाश सिंह को मिली सफलता पर क्षेत्र में प्रसन्नता है।

चुनावी रंजिश में हुई थी मारपीट पुलिस ने अभी तक नहीं की कोई कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। मामला परसपुर थाना क्षेत्र के राजा टोला का है जहां पर भाजपा से सभासद प्रत्याशी उदय भान सिंह के घर पर विपक्षी गण ओमप्रकाश आदि के द्वारा 4 मई की रात करीब 8रू10 पर हमला कर दिया गया विपक्षी गण लाठी–डंडे भाला आदि हथियार से पीड़ित के ऊपर हमला किए जिसमें पीड़ित उदय भान सिंह के पुत्रों को गंभीर चोटें आई गंभीर धाराओं में मुकदमा परसपुर थाना में दर्ज हुआ परंतु परसपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक के द्वारा अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई विपक्षीगण खुलेआम घूम रहे हैं पीड़ित का कहना है कि विपक्षी गणों के द्वारा उसके संबंधियों को भी धमकियां दी जाती हैं और पीड़ित के द्वारा बताया गया कि 4 मई की रात करीब 8रू10 पर विपक्षी गढ़ उसके घर में घुस आए और उसके बेटों के ऊपर हमला कर दिया जिससे पीड़ित के लड़कों को गम्भीर चोटे आई और उन्हें जिला अस्पताल गोंडा से मेडिकल कॉलेज लखनऊ के लिए रिफर कर दिया गया जहां पर उनका अभी तक इलाज चल रहा है संगीन धाराओं मे मुकदमा दर्ज होने के बावजूद पुलिस के द्वारा विपक्षियों को अभी तक गिरफ्तार करने की कोई कार्रवाई नहीं की गई है पीड़ित ने कहा है कि विपक्षियों से उसकी जान का खतरा है।

जिला सैनिक बन्धु की बैठक 26 मई को

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। कैप्टन (नौ सेना) आशुतोष चौधरी (अ0प्र0) जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने अवगत कराया है कि जनपद के समस्त भूतपूर्व सैनिकोंधदिवंगत सैनिकों की पत्नियों एवं उनके आश्रितों को सूचित किया है कि उत्तर प्रदेश शासन के आदेशानुसार जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने निर्देशित किया है कि जिला सैनिक बन्धु की बैठक 26 मई, को समय 11.00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत की गयी है। उन्होंने बताया कि भूतपूर्व सैनिकधदिवंगत सैनिकों की पत्नी एवं उनके आश्रित, उक्त तिथि, समय एवं स्थल पर सैनिक बन्धु की बैठक में भाग लेने के लिए अपील की गयी है। इसके साथ ही अपनी समस्याओं का आवेदन पत्र जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में 22 मई, 2022 तक अवश्य भेजें, समय पर आवेदन पत्र मिलना अति आवश्यक है।

मदरसा बोर्ड की परीक्षा मे 35 विद्यार्थी रहे अनुपस्थित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकरी राजेश कुमार खैरवार द्वारा बताया गया कि उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड लखनऊ द्वारा संचालित सेकेंडरी, सिनियर सेकेंडरी, कामिल तथा फाजिल की परीक्षाएं 17 मई से प्रारम्भ हुई जो 24 मई तक होंगीस परीक्षा को सकुशल नकल विहीन सम्पन्न कराने के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट को नियुक्त किया गया है, इस बार जनपद में चार परीक्षा केंद्र बनाए गए है,जिसमें प्रथम पाली व द्वितीय पाली परीक्षा में कुल 226 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होने वाले थे परंतु 226 के सापेक्ष 191 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए और 35 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

किसी व्यापारी का उत्पीड़न नहीं होने देंगे–संदीप बंसल

नकली पहचान वालों की जांच के लिए है अभियान– आयुक्त वाणिज्य कर

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ। केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर परिषद द्वारा नकली पहचान वालों की जांच के लिए 16 मई से चलाए जा रहे सर्वे अभियान से जुड़ी आशंकाओं को लेकर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारी अध्यक्ष संदीप बंसल के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश वाणिज्य कर आयुक्त मिनिस्ट्री एस से मिले। संदीप बंसल ने आयुक्त से कहा कि पूर्व में भी इसी प्रकार का एक अभियान चला था जिसमें कतिपय व्यापारियों के उत्पीड़न की शिकायत आई थी जिस पर मुख्यमंत्री से मिलकर के इस प्रकार के अभियान को रोका गया था पहचान नकली हो तो हमें कोई आपत्ति नहीं परंतु किसी निर्दोष व्यापारी का शोषण उत्पीड़न नहीं होने दिया जाएगा उन्होंने कहा इसके बारे में स्पष्ट निर्देश उनकी तरफ से जारी हो जाए हिंदी में और जहां पर भी शिकायत मिल रही हो वहां स्थानीय व्यापार मंडल का सहयोग लिया जाए इसी को इंगित करता हुआ ज्ञापन मिनिस्ट्री एस को सौंपा गया आयुक्त ने स्पष्ट किया कि पूरे उत्तर प्रदेश में किसी भी व्यापारी के साथ अपमानजनक व्यवहार नहीं होगा और सिर्फ नकली पहचान वालों की पर ही सर्वे होगा यदि कोई शिकायत मिलती है तो उस पर तत्काल कार्रवाई कराई जाएगी उन्होंने अपने स्टाफ ऑफिसर और इस अभियान के प्रमुख अधिकारी हैं उनके नाम भी व्यापार मंडल को उपलब्ध कराएं। प्रदेश मीडिया प्रभारी सुरेश छाबलानी ने बताया कि आयुक्त से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय मंत्री रिपन कंसल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य प्रदीप अग्रवाल, उद्योग प्रकोष्ठ के प्रभारी राजीव बंसल, प्रदेश मीडिया प्रभारी सुरेश छाबलानी, प्रदेश संगठन मंत्री जावेद बेग, युवा के प्रदेश के महामंत्री आकाश गौतम, युवा नगर अध्यक्ष अश्वन वर्मा प्रमुख रूप से शामिल रहे।

जनता दर्शन के दौरान फरियादियों से रूबरू हुए एसपी,न्याय का दिलाया भरोसा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। बुधवार को पुलिस अधीक्षक गोण्डा आकाश तोमर फरियादियों से सीधे रूबरू हुए और उन्होंने पीड़ितों को न्याय का भरोसा दिलाया। शासन की मंशानुसार बुधवार को पुलिस कार्यालय पर जनसुनवाई के दौरान एसपी ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओंधशिकायतों को सुना गया तथा जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। इस दौरान उन्होंने सभी फरियादियों को न्याय का भरोसा दिलाया। पुलिस अधीक्षक गोंडा ने जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों से आए हुए फरियादियों की फरियाद को सुना और उनसे रूबरू होते हुए उन्हें न्याय का आश्वासन दिया तथा संबंधित को निर्देश दिया कि पीड़ित की समस्याओं का मौके पर जाकर समाधान कराया जाए।

पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाली को लेकर 21 मई को मशाल जुलूसः अनिल सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाली हेतु देशव्यापी आंदोलन के दूसरे चरण मैं प्रदेश के समस्त जिला मुख्यालय पर समस्त विभागों के कर्मचारियों द्वारा दिनांक 21 मई 2023 को साय 5.00 मशाल जुलूस के माध्यम से 6 सूत्रीय मांग पत्र नंबर 1= भारत के समस्त प्रदेशों के कर्मचारियों और शिक्षकों को पुरानी पेंशन व्यवस्था दी जाए नंबर दो आउटसोर्सिंग और संविदा भर्ती बंद की जाए तथा आउटसोर्सिंग एवं संविदा पर कार्य कर रहे कर्मचारियों शिक्षकों को नियमित किया जाए नंबर 3 समस्त विभागों में रिक्त पदों पर नियमित भर्ती की जाए नंबर 4 स्वास्थ विभाग में कार्यरत आशा बहू आशा संगिनी पंचायत सहायक रोजगार सेवक आगनबाड़ी कार्यकर्ती एवं सहायी का रसोईया तथा समूह की महिलाओं को न्यूनतम 12000 प्रतिमाह मानदेय दिया जाए नंबर 5= समस्त विभागों के कर्मचारियों सेवानिवृत्ति की आयु शिक्षकों के समान 62 वर्ष की जाए नंबर 6= ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की सेवा नियमावली जारी करते हुए उनके प्रमोशन के पद सृजित किए जाएं नंबर 7 कैशलेस चिकित्सा के अंतर्गत देश के सभी बड़े चिकित्सालय को चाहे सरकारी हो या प्राइवेट जोड़ा जाए उक्त मानपत्र को मशाल जुलूस निकालकर जिला अधिकारी महोदय के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री जी और माननीय मुख्यमंत्री भेजा जाना है मशाल जुलूस को जनपद सिद्धार्थनगर में सफल बनाने के लिए आज राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद सिद्धार्थनगर के जिला अध्यक्ष अनिल सिंह के अध्यक्षता में विभिन्न संगठनों के अध्यक्ष और मंत्रियों की बैठक विकास भवन के सभागार में संपन्न हुई उक्त बैठक में कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के सम्मानित अध्यक्ष प्रेम सागर चौधरी मंत्री दिलीप चौधरी लेखपाल संगठन के सम्मानित अध्यक्ष अजय गुप्ता जी सिंचाई संघ के सम्मानित अध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव जी जिला पंचायत कर्मचारी संघ के सम्मानित अध्यक्ष कमलेश गुप्ता डिप्लोमा इंजीनियरिंग महा संघ के सम्मानित मंत्री मुनीर ग्राम सफाई कर्मचारी संघ के सम्मानित अध्यक्ष जग नारायण मंत्री अश्वनी पाठक कोषाध्यक्ष यादव डीआरडीए कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अशोक पाठक बोरिंग टेक्निशियन संघ के अध्यक्ष रमेश कुमार सिंह सहित विकास भवन के कई कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने बैठक में भाग लिया बैठक का संचालन राज्य कर्मचारी संघ परिषद से सम्मानित जिला मंत्री शैलेंद्र गुप्ता ने किया उक्त बैठक को संबोधित करते हुए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा मैं जनपद के समस्त विभागों के कर्मचारियों समस्त आउटसोर्सिंग और संविदा के कर्मचारियों आशा बहू आशा संगिनी ग्रामीण सफाई कर्मचारी पंचायत सहायक रोजगार सेवक आंगनबाड़ी रसोईया समूह की महिलाओं से अपील करता हूं21 मई को साय 5.00 बजे विकास भवन प्रांगण में पहुंचकर मशाल जुलूस को सफल बनाएं साथियों एक कपिल और मैं आप लोगों से करना चाहता हूं यदि हमने इन मांगों को 2024 से पूर्व सरकार से नहीं मनवा लिए तो फिर 2024 से 2029 तक कुछ नहीं होना यदि यह समय निकल गया आप सचेत नहीं हुए फिर हाथ मलते आप रह जाएंगे कुछ भी हाथ नहीं आएगा जय हिंद जय परिषद।

पेड़ से टकराई गाड़ी, लगी आग

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र उसका बाजार के मधवापुर ग्रीन लैंड पब्लिक स्कूल के पास नौगढ़ से उसका की तरफ आ रही टाटा पंच गाड़ी पेट से टकरा गई और आग लगी। मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को बचाने के कारण वाहन चालक ने स्टेयरिंग काटी और पेट में गाड़ी जा टकराई। वाहन में दो लोग सवार थे वाहन चालक बैजनाथ यादव पुत्र हरि प्रसाद यादव के सूझ बूझ के कारण अपनी और वाहन में मौजूद व्यक्ति की जान बचापाई। वाहन परसा खुर्द थाना उसका बाजार जनपद सिद्धार्थनगर का है वही घटना के बाद कुछ देर तक आवागमन रुका रहा लोगो को आने जाने में दिक्कतों का भी सामना करना पड़ा। वाहन चालक वैजनाथ यादव ने बताया कि गाड़ी के सामने अचानक बाइक सवार व्यक्ति आ जाने के कारण हुआ है घटना स्थल पर उसका बाजार की पुलिस पहुंचकर आगे की कार्यवाही में जुट गई। प्रभारी थानाध्यक्ष अजय गुप्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और विधिक कार्यवाही की जा रही है।

छात्रवृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 33 छात्रों को पुरस्कृत कर बढाया हौसला

बस्ती। बुधवार को बनकटी विकास खण्ड क्षेत्र के ब्लाक संसाधान केन्द्र पर राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा 'एन.एम.एम.एस.' उत्तीर्ण करने वाले 33 मेधावी छात्रों को प्रमाण–पत्र एवं मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही सम्बंधित विद्यालयों के शिक्षकों एवं सभी पांच ए.आर.पी. को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। उप शिक्षा निदेशक, डायट प्राचार्य जितेन्द्र कुमार गौड़ ने मेधावी छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि सभी चयनित छात्रों को शासन स्तर पर प्रति माह एक हजार रूपये चार वर्षों तक उपलब्ध कराया जायेगा जिससे वे अपनी शैक्षणिक जरूरतों को पूरा कर देश के सुयोग्य नागरिक बन सके। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. इन्द्रजीत प्रजापति ने कहा कि जिन शिक्षकों ने छात्रों को इस योग्य बनाया वे प्रशंसा के पात्र है। कहा कि छात्र के जीवन में गुरूजनों का विशेष प्रभाव पड़ता है। कहा कि सम्मान जीवन बदलता है, निश्चित रूप से पुरस्कृत छात्रों को जो अवसर मिला है वे उसे सृजनात्मक रूप में लेंगे। वित्त एवं लेखाधिकारी अतुल चौधरी ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा बेहतर शिक्षा के लिये अथक प्रयास किये जा रहे हैं, अभिभावकों को चाहिये कि वे अपने पाल्यों को परिषदीय विद्यालयों में शिक्षित करें। खण्ड शिक्षा अधिकारी अरूण कुमार यादव ने शिक्षा क्षेत्र में किये जा रहे नव प्रयोगों को व्यवहारिक बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बनकटी के अध्यक्ष अभय सिंह यादव ने कहा कि बनकटी क्षेत्र में अनेक शिक्षकों ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में जो अलख जगाया है उसके बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। कहा कि 33 छात्रों का चयन इसका उदाहरण है। पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ की पूर्व जिलाध्यक्ष अल्पना यादव ने कहा कि ऐसे आयोजनों ने शिक्षक और छात्रों को और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। संचालन अतुल कृष्ण राज ने किया। संघ के मंत्री चन्द्रशेखर शर्मा ने आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। छात्रों को सफल बनाने की दिशा में ए.आर.पी. वंशराज गुप्ता ने विशेष योगदान किया जिसकी उपस्थित लोगों ने सराहना की। ईश वंदना और स्वागत गीत से आरम्भ कार्यक्रम में एस.आर.जी. अंगद पाण्डेय, ए.आर.पी. अजय कुमार पाल, बंशराज गुप्ता, दीपक कुमार पाण्डेय, राकेश कुमार मिश्र, राधेश्याम गुप्त के साथ ही शिक्षक चन्द्रशेखर शर्मा, शान्ती देवी, अशोक कुमार मौर्य, मो. इकबाल, अवनीश कुमार चौरसिया, कृष्णकान्त तिवारी, भोले प्रसाद, महेन्द्र सिंह, विनोद कुमार चौधरी, चन्द्रशेखर, राम अछैवर चौधरी, विश्वम्भरनाथ, सभाजीत, दिनेश कुमार तिवारी, अतुल कृष्ण राज, रामायण प्रसाद शुक्ल, मारूफ खान, आदित्यनाथ तिवारी, राघवेन्द्र उपाध्याय, सुदर्शन त्रिपाठी, ध्रुवनारायण दूबे, राममनि, कृष्ण बिहारी पाण्डेय के साथ ही बड़ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।

प्रा०वि० गोल्हौरा मुस्तहकम में हुआ शिक्षक संकुल की मासिक बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। बढ़नी विकास क्षेत्र के न्याय पंचायत बसहिया अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय गोल्हौरा मुस्तहकम में शिक्षक संकुल की मासिक बैठक आयोजित हुयी। जिसमें निपुण भारत की एकेडमी स्ट्रेटजी, शिक्षण चक्र, टेन टूल प्वाइंट, गणित एवं भाषा शिक्षण मे संदर्शिका का उपयोग, निपुण लक्ष्य, प्रिंट रिच सामग्री का उपयोग, शिक्षक डायरी भरने व शिक्षण योजना तैयार करने आदि सम्बन्धी तमाम बातों की जानकारी परिषदीय विद्यालय के प्रधानाध्यापको, प्रभारियों, सहायक अध्यापकों व शिक्षक संकुलो को नोडल शिक्षक संकुल श्याम लाल गुप्ता ने प्रोजेक्टर के माध्यम से दिया। शिक्षक संकुल ने कहा कि कार्यों के सही तरीके से क्रियान्वित होने पर बच्चे निपुण हो सकेंगे। प्राथमिक विद्यालय गोल्हौरा के प्रधानाध्यापक डा आशुतोष सिंह ने शिक्षक संदर्शिका के उपयोग एवं उससे शिक्षण की सुगमता पर चर्चा की। हलौरा विद्यालय की प्रभारी सीमा सिंह ने निपुण लक्ष्य और अभिनव मिश्रा ने नवीन छात्रों के पंजीकरण, डी०बी०टी० पर चर्चा कर विभागीय कार्यों को आपसी सामंजस्य के साथ पूरा करने को कहा। शिक्षक बाबूलाल प्रसाद और धर्मेन्द्र विश्वकर्मा ने परिवार सर्वेक्षण कार्य आफ लाइन एवं आनलाइन फीडिंग में आ रही समस्याओं के निराकरण का तरीका बताया। इस दौरान प्रधानाध्यापक डॉ आशुतोष सिंह, अभिनव मिश्रा, सीमा सिंह, बाबूलाल प्रसाद, धर्मेन्द्र विश्वकर्मा, अनिल कुमार, पीयूष वर्मा, संदीप शुक्ला, हरगोविंद चौरसिया, सोमनाथ, पल्लवी द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा एक दिवसीय घरना गुरुवार को

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। प्रान्तीय नेतृत्व के आह्वान पर पुरानी पेंशन बहाली समेत 12 सूत्रीय मांगों को लेकर कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा गुरुवार को एक दिवसीय धरना,प्रदर्शन कर मा0प्रधानमंत्री एवं मा0 मुख्यमंत्री मन्त्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौपा जाएगा। कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा जिलाध्यक्ष रामकरन गुप्ता एवं संयोजक शिवाकांत पाण्डेय ने बताया कि 18 मई को एक दिवसीय घरना जिला अस्पताल स्थिति गाँधी प्रतिमा के सामने 11 बजे से होगा और 3 बजे ज्ञापन सौंपा जाएगा। कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा के जिलाध्यक्ष रामकरन गुप्ता एवं संयोजक शिवाकांत पाण्डेय ने बताया कि पुरानी पेंशन वहाली,वेतन आयोग गठित किये जाने, रिक्त पदों स्थाई भर्ती करने,संविदा कर्मियों एवं आउटसोर्सिंग भर्ती कर्मियों को स्थाई किये जाने आदि की मांग की गई है।नेता द्वय ने अधिक से अधिक कर्मचारियों को धरने शामिल होने की अपील की है।

भागवत कथा ज्ञान यज्ञ 24 मई से

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के ग्राम महनी में 24 मई से श्रीमद भागवत महापुराण कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है। उक्त जानकारी आलोक चौरसिया ने देते हुए बताया कि उचेहरा मध्य प्रदेश से कथाव्यास पंडित आदित्य प्रकाश त्रिपाठी के श्रीमुख से होगा। कथा का प्रारंभ 24 मई को कलश यात्रा के साथ होगा। कथा प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात्रि 9 बजे तक होगा। हवन पूजन महाप्रसाद भंडारा पहली जून को होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बस्ती में सांसद हरीश द्विवेदी के द्वारा किए जा रहे विकास कार्यो को सराहा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांसद हरीश द्विवेदी के द्वारा बस्ती लोकसभा क्षेत्र की प्रधानमंत्री आवास लाभार्थी महिला के धन्यवाद का वीडियो अपने ट्विटर हैंडल पर अपलोड किया। कुछ ही देर बाद प्रधानमंत्री ने उस ट्वीट को रिट्वीट किया। सांसद हरीश द्विवेदी के मीडिया प्रभारी नितेश शर्मा ने बताया कि सांसद हरीश द्विवेदी ने ट्विटर पर प्रधानमंत्री आवास की महिला लाभार्थी के धन्यवाद का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विजन और जनकल्याणकारी योजनाओं ने रूरल डेवलपमेंट की आधारशिला रखी है। मेरा सौभाग्य है कि मैं उनके नेतृत्व में डव्क्प् (**Mission Oriented Developing India**) मिशन को अपने क्षेत्र की जनता तक ले जा रहा हूँ। आज बस्ती का हर गांव डेवलपमेंट का मॉडल बन रहा है। इस ट्वीट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देखा और उसे रिट्वीट करते हुए लिखा कि पक्के मकानों ने कैसे हमारे गरीब भाई–बहनों के जीवन को रोशन किया है, उत्तर प्रदेश में बस्ती का यह विकास कार्य इसका एक बेहतरीन उदाहरण है। प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा पोस्ट को रिट्वीट करने के पश्चात बस्ती ही नहीं बल्कि पूरे देश के लोगों ने इसे सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर वायरल कर दिया। कुछ ही देर में इस वीडियो को ट्विटर पर 50 हजार से ज्यादा लोगों ने देखा और हजारों की संख्या में लोगों इसे लाइक और रिट्वीट किया। साथ ही यह भी चर्चा का विषय बना रहा कि किस प्रकार एक आम आदमी की बात देश के प्रधानमंत्री तक आसानी से पहुंच रहा है, और प्रधानमंत्री भी उसे संज्ञान में लेकर अपनी बात रख रहे हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना छावनी का किया निरीक्षण

आदेशों का कड़ाई से पालन करने का दिया गया निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी जनपद बस्ती के निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा थाना छावनी पर अर्दली रुम किया गया जिसमें थाना स्थानीय पर पंजीकृत मुकदमो से सम्बन्धित विवेचक भी मौजूद रहे। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा मुकदमो को गुण दोष के आधार पर निस्तारण करने एवं वादी के हितो का ध्यान रखते हुए मुकदमे में कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया तथा मुकदमो के विवेचक से उनकी राय भी ली गयी तथा उन्हे आदेश निर्देश से अवगत कराया गया। बीट पुलिस अधिकारियों के साथ मीटिंग करके आवश्यक निर्देश दिया गया।

पूर्व अपर महाधिवक्ता जफरयाब जीलानी के निधन पर शोक

बस्ती। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सेक्रेट्री, यूपी सरकार के पूर्व अपर महाधिवक्ता जफरयाब जीलानी के निधन से शोक की लहर है। बुधवार को इकरा पब्लिक स्कूल में आयोजित शोक सभा में उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया । जफरयाब जीलानी को याद करते हुए स्कूल के डायरेक्टर अयाज अहमद ने कहा कि वो बहुत सरल और सामाजिक इंसान थे और हमेशा कौम की शिक्षा और अन्य मुद्दो को लेकर गंभीर रहा करते थे। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को कभी भुलाया नही जा सकता। दो मिनट का मौन रखकर जफरयाब जीलानी को श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में डॉ. अजीज आलम, हाफिज शहादत हुसैन , कुतबुद्दीन सिद्दीकी, मो आसिफ,अली अरशद, मो. यासिर, सरफराज अहमद, राकेश श्रीवास्तव, हाफिज बदरे आलम ,जुबैर अहमद, यूसुफ ,मुस्तफा , मो. इमरान खान, जैनब सिद्दीकी, नबीला,जरीन,तस्लीम फातिमा, जेबा शाहीन, अजहर, असलम आदि शामिल रहे।

बिना अवकाश विद्यालयों से गायब मिले 15 परिषदीय शिक्षक

बस्ती। प्रेरणा पोर्टल से निरीक्षण में परिषदीय स्कूलों के 15 शिक्षक शिक्षामित्र व अनुचर गैरहाजिर मिले हैं सभी का एक दिन का वेतन नो वर्क नो पे के आधार पर बांधित दिया गया है। बीएसए डॉ इंद्रजीत प्रजापति ने बताया कि खण्ड शिक्षा अधिकारियों द्वारा 13 एवं 15 मई को विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया गया जिसमें कुल 15 लोग अनुपस्थित पाए गए। जिसमें बखरिया बनकटी की प्रधानाध्यापिका राजकुमारी, भदावल द्वितीय हर्रैया के शिक्षामित्र अमित कुमार, मंझरिया कुदरहा के प्रधानाध्यापक योगेश कुमार और सहायक अध्यापक इश्लावती देवी, धौरहरा द्वितीय साऊँघाट के सहायक अध्यापक राम सुधि पाण्डेय, मंझरिया कुदरहा के शिक्षामित्र राम सहेली चौधरी, साऊँघाट की सहायक अध्यापक नम्रता राय और मदुशूदन तिवारी, बलुआ बस्ती सदर की सहायक अध्यापक संध्या वर्मा और शिक्षामित्र अंशू सिंह, मंझरिया कुदरहा के सहायक अध्यापक सुरेन्द्र कुमार वर्मा और सहायक अध्यापक बलवीर कुमार, पगार बहादुरपुर के सहायक अध्यापक अखिलेश चन्द्र, रानीपुर कप्तानगंज के अनुचर पवन कुमार, मोहम्मद नगर रामनगर की सहायक अध्यापक पूजा यादव की अनुपस्थिति पाई गई।

सम्पादकीय

बहरहाल, कर्नाटक की जीत का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि खडगे अपनी पसंद से अपनी टीम बनाएंगे। वैसे भी कहा जा रहा है कि राहुल गांधी या सोनिया गांधी उसमें कोई दखल नहीं दे रहे हैं। फिर भी कर्नाटक की भारी भरकम जीत से खडगे का खुद का भी आत्मविश्वास बहुत बढ़ा है। दूसरा फायदा यह होगा कि कांग्रेस की ओर से...

खडगे की सत्ता मजबूत होगी

कर्नाटक की चुनावी जीत का सबसे बड़ा फायदा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को होगा। पार्टी में उनकी सत्ता मजबूत होगी। कांग्रेस उनके गृह प्रदेश कर्नाटक में चुनाव जीती है और बड़े शानदार तरीके से जीती है। इस जीत में उनका योगदान अहम है। 80 साल की उम्र के बावजूद खडगे ने पूरे राज्य में सभाएं कीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सबसे आक्रामक प्रचार खडगे ने किया। उन्होंने अपने को कन्नड धरतीपुत्र बता कर वोट मांगा। अपनी पहचान पर वे दलित वोट कांग्रेस के साथ जोडने में सफल रहे। खडगे ने अपनी पृष्ठभूमि का बार बार जिक्र किया और पिछड़े, वंचितों को यकीन दिलाया कि उनके हितों का कांग्रेस ख्याल रखेगी। कर्नाटक चुनाव में हिंदुत्व का या सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का मुद्दा ज्यादा सफल नहीं हुआ तो उसका एक बड़ा कारण यह था कि चुनाव के शुरुआत में ही कांग्रेस ने जातीय जनगणना और श्जितनी आबादी, उतना हक्य का नारा दे दिया था। बताया जा रहा है कि पार्टी को इस लाइन पर लाने में खडगे की अहम भूमिका थी। बिहार के मुख्मंत्री नीतीश कुमार के साथ मुलाकात में इस पर चर्चा हुई थी, जिसमें राहुल गांधी पहले बहुत इंटरेस्टेड नहीं थे। लेकिन खडगे ने उनको इसके फायदे समझाए और नतीजा सबके सामने है। खडगे की टीम ने भी कर्नाटक के चुनाव में पूरी मेहनत की। उनके साथ नियुक्त किए गए चार समन्वयकों में से कम से कम तीन कर्नाटक में डेरा डाले रहे। राज्यसभा सांसद सैयद नासिर हुसैन का गृह प्रदेश है कर्नाटक। उनके साथ साथ गुरदीप सप्पल और प्रणब झा लगातार कर्नाटक में बने रहे और खडगे की रैलियों, भाषणों की योजना बनाई। मीडिया और सोशल मीडिया में इसे पर्याप्त प्रचार मिले इसका भी बंदोबस्त किया। उनके कन्नड में दिए भाषण का हिंदी और अंग्रेजी अनुवाद भी ज्यादा से ज्यादा लोगों को पहुंचाया गया। एक तरह से खडगे की टीम ने उनको नरेंद्र मोदी के मुकाबले खड़ा किया क्योंकि बाकी नेता सिर्फ स्थानीय मुद्दों पर बोलते रहे। बहरहाल, कर्नाटक की जीत का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि खडगे अपनी पसंद से अपनी टीम बनाएंगे। वैसे भी कहा जा रहा है कि राहुल गांधी या सोनिया गांधी उसमें कोई दखल नहीं दे रहे हैं। फिर भी कर्नाटक की भारी भरकम जीत से खडगे का खुद का भी आत्मविश्वास बहुत बढ़ा है। दूसरा फायदा यह होगा कि कांग्रेस की ओर से खडगे ज्यादा अधिकारपूर्वक विपक्षी गठबंधन की बात कर पाएंगे। कर्नाटक की जीत ने उनका कद देश के किसी भी प्रादेशिक क्षत्रप से ऊंचा या कम से कम उसके बराबर जरूर कर दिया है। तीसरा फायदा यह होगा कि वे विपक्षी राजनीति की धुरी बन सकते हैं। उनकी कमान में कांग्रेस जीती है, वे छह दशक का अनुभव रखने वाले नेता हैं, दलित समुदाय से आते हैं और बेहद गरीब परिवार से भी आते हैं। देश का संभवतरू कोई दूसरा विपक्षी नेता ऐसा नहीं है। सो, मोदी के मुकाबले खडगे को आसानी से खड़ा किया जा सकता है।

ये नतीजे जो बताते हैं

अगर एक दूसरे प्रस्थान बिंदु से देखें, तो कहा जा सकता है कि महंगाई और अन्य आर्थिक समस्याओं, कुशासन और भ्रष्टाचार जैसे ठोस मुद्दों के बावजूद भाजपा अपने वोट आधार को बचाए रखने में लगभग सफल रही है। कर्नाटक विधानसभा के चुनाव परिणाम से ना सिर्फ कांग्रेस, बल्कि पूरे भाजपा विरोधी खेमे का उत्साहित होना लाजिमी है। आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी के अन्य नेताओं की हिंदुत्व को और उग्र रूप देने की कोशिश वहां कामयाब नहीं हो सकी। साथ ही पिछले तीन साल में वहां भाजपा सरकार ने जिस तरह से सांप्रदायिक उबाल को बनाए रखा, वह भी काम नहीं आया। इतना सब कुछ होने के बावजूद भाजपा के वोट प्रतिशत में मामूली–सी सेंध लग गई। लेकिन यहां इस हकीकत के प्रति भी विपक्ष को अवश्य आगाह रहना चाहिए कि यह सेंध मामूली ही है। अगर दूसरे प्रस्थान बिंदु से देखें, तो कहा जा सकता है कि महंगाई और अन्य आर्थिक समस्याओं, कुशासन और भ्रष्टाचार जैसे ठोस मुद्दों के बावजूद भाजपा अपना वोट आधार बचाए रखने में लगभग सफल रही है। इसका अर्थ यह है कि भाजपा ने अपने मुद्दों पर मतदाताओं के जिन हिस्सों को गोलबंद किया है, वह बाकी तमाम मसलों को दरकिनार कर पार्टी के साथ बने हुए हैं। ऐसा ही संकेत हाल में देश के अन्य हिस्सों में हुए तमाम चुनावों में भी मिला है। इसलिए कर्नाटक में जीत के उत्साह में यह सोच लेना अब देश में नैरेटिव बदल गया है और 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के सामने प्रतिकूल स्थितियां होंगी, गलत आकलन होगा। कम से कम यह तो जरूर कहा जा सकता है कि ऐसे आकलन को अभी सिर्फ जल्दबाजी या अति–उत्साह कहा जा सकता है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि शनिवार को ही उत्तर प्रदेश के दो विधानसभा उपचुनावों के साथ–सथ स्थानीय निकाय चुनावों के भी परिणाम भी आए। इनमें भाजपा गठबंधन को भारी जीत मिली। इसलिए सारे देश में सियासी माहौल बदल जाने की बात निराधार है। वैसे भी कर्नाटक में कांग्रेस एक मजबूत समर्थन आधार के साथ मैदान में उतरी थी। 2018 के विधानसभा चुनाव में भी उसे भाजपा से लगभग 2.5 प्रतिशत वोट अधिक मिले थे। इस बार उसके वोटों में बढ़ोतरी जेडी (एस) की कीमत पर हुई। स्पष्ट है, उसे भाजपा का मुख्य प्रतिद्वंद्वी होने का लाभ मिला। स्पष्टतरू कर्नाटक का परिणाम स्थानीय समीकरणों से तय हुआ।

कोरोना के बाद अब टीबी के खिलाफ जंग

कोरोना महामारी के दौर में भारत ने जो महती भूमिका निभाई थी, अब टीबी उन्मूलन की दिशा में भी वही भूमिका ष्टिगोचर हो रही हैं। देश के वैज्ञानिक भी इसके उन्मूलन के लिए नित नई नई दवाइयां व टीके की खोज कर रहे हैं। इस बिमारी को जड़ से खत्म करना हमारा सबका सामाजिक एवं राष्ट्रीय दायित्व है. निक्षय मित्र योजना सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई हैं। आइये हम सब ...

अशोक बजाज

टीबी एक गंभीर जानलेवा बीमारी है. यह अन्य संक्रामक बिमारियों से ज्यादा घातक भी है. बैक्टीरिया से होने वाली यह बीमारी हवा के जरिए एक इंसान से दूसरे इंसान के शरीर में फैलती है। यह आमतौर पर फेफड़ों से शुरू होती है। परन्तु यह ब्रेन, यूटरस, मुंह, लिवर, किडनी, गला, हड्डी आदि शरीर के किसी भी हिस्से में हो सकती है। खांसने और छींकने के दौरान मुंह–नाक से निकलने वाली सूक्ष्म बूंदों से यह इन्फेक्शन फैलता है। सन 1882 में वैज्ञानिक रॉबर्ट कॉक ने टीबी रोग के कारक जीवाणु माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस की खोज करके टीबी रोग उन्मूलन की राह आसान की. आज पूरी दुनिया इस बीमारी से चिंतित है. जानकारों के अनुसार दुनिया में प्रतिदिन 5,200 लोगों की मौत टीबी से होती है जबकि अकेले भारत में हर दिन लगभग 1,400 लोग टीबी से मरते हैं। दुनिया के कुल टीबी मरीजों में 25 प्रतिशत मरीज अकेले भारत में हैं. इसीलिए भारत में टीबी उन्मूलन हेतु युद्ध स्तर पर प्रयास जारी है. सन 2030 तक विश्व को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है. लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक लक्ष्य से 5 साल पहले यानी 2025 तक भारत को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है. स्वास्थ व परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार का पूरा अमला इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जी–जान से जुटा हैं। देशभर में टी.बी

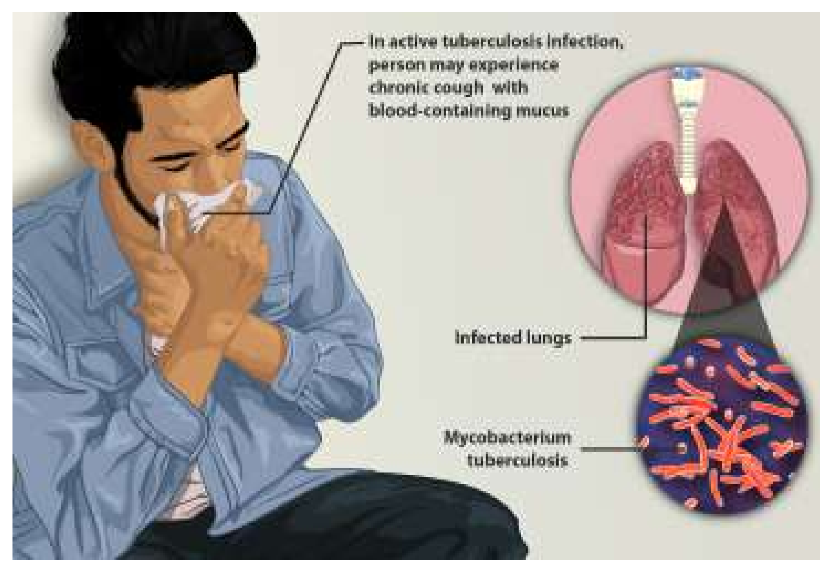

मरीजों की पहचान करके उनके उपचार की उचित व्यवस्था करना तथा उनका समुचित देखभाल करने का कार्य तीव्र गति से हो रहा है। उपचार अवधि में रोगियों को पोषण युक्त आहार नितांत आवश्यक है. शासन द्वारा डीबीटी के तहत मरीजों के खाते में प्रतिमाह 500 रु हस्तांतरित किये जा रहे हैं। इसके अलावा क्रह्रञ्जष्टक्क के तहत सभी रोगियों को टीबी रोधी दवाओं सहित निरूशुल्क निदान और उपचार की सुविधा भी प्रदान की गई है।

शासन ने इस अभियान को जन आंदोलन बनाने की नीयत से एक अभिनव योजना प्रारंभ की है, इस योजना को शनिक्षय मित्रय योजना नाम दिया गया है. इस योजना के तहत जनभागीदारी सुनिश्चित की गई है यानी टीबी के खिलाफ चल रहे जंग में जनता जनार्दन को भी शामिल कर लिया गया है. शनिक्षय मित्र योजना के तहत कोई भी व्यक्ति, समूह या संस्थायें मरीजों को पोषण, उपचार व आजीविका में मददगार बनकर प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान में अपना योगदान दे सकते हैं। इन्हें निक्षय मित्र नाम दिया गया है. निक्षय मित्र को कम से कम एक साल और अधिकतम तीन वर्षों तक रोगियों को गोद लेना होता हैं। परन्तु इसमें टी.बी रोगियो की सहमति आवश्यक हैं। निक्षय मित्र योजना का प्रतिफल यह हुआ कि जन स्वास्थ्य एवं जन सरोकार से जुड़े इस अभियान में लोग बढ़–चढ़कर हिस्सा ले रहें हैं। निक्षय मित्र बनने के लिए आर्थिक रूप से सक्षम व्यक्ति, कारोबारी, स्वयंसेवी संस्थाएं एवं अर्द्ध सरकारी संस्थाएं आगे आ रही है. टी.बी. उन्मूलन की दिशा में जन भागीदारी बढ़ गई है तथा इस योजना को अच्छा प्रतिसाद मिल रहा हैं। इस अभियान से जुडने के लिए आप निक्षय पोर्टल 222.ठ्ठद्बद्मह्यद्धड्ड4.द्बठ्ठ पर रजिस्टर कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए निक्षय हेल्पलाईन नंबर 1800–11–6666 पर भी सम्पर्क किया जा सकता हैं।

कोरोना महामारी के दौर में भारत ने जो महती भूमिका निभाई थी, अब टीबी उन्मूलन की दिशा में भी वही भूमिका दृष्टिगोचर हो रही हैं। देश के वैज्ञानिक भी इसके उन्मूलन के लिए नित नई नई दवाइयां व टीके की खोज कर रहे हैं। इस बिमारी को जड़ से खत्म करना हमारा सबका सामाजिक एवं राष्ट्रीय दायित्व है. निक्षय मित्र योजना सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई हैं। आइये हम सब निक्षय मित्र योजना में शामिल होकर 2025 तक टीबी मुक्त भारत के संकल्प को पूरा करें।

लेखक पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत हैं

प्रचार और पैसा चुनाव लडने का टूल्स हैं, सिर्फ इनके दम पर भी चुनाव नहीं जीता जा सकता है। भाजपा को यह भी ध्यान में रखना होगा। अगर लोग प्रादेशिक सरकारों के कामकाज से नाराज हैं तो केंद्रीय सरकार के वादे से वह नाराजगी खत्म नहीं हो सकती है। पैसे और प्रचार के दम पर लोगों को चाहे जो भी समझाने का प्रयास हो, उससे नाराजगी दूर नहीं होती है। कर्नाटक में लोग सरकार के ...

भाजपा को अपनी रणनीति पर सोचना होगा

अजीत द्विवेदी

कर्नाटक के चुनाव नतीजों की जैसी व्याख्या भाजपा कर रही है या कम से कम उसके प्रवक्ता टेलीविजन की बहसों और सोशल मीडिया के विमर्श में जिस तरह से इसका बचाव कर रहे हैं वह भाजपा के लिए आत्मघाती हो सकता है। यह सही है कि उसने अपना वोट नहीं गंवाया है। वह अपना पारंपरिक 36 फीसदी वोट बचाए रखने में कामयाब रही है। लेकिन उसे समझना होगा कि यह वोट उसकी जीत की गारंटी नहीं है। त्रिकोणात्मक चुनाव में इतने वोट पर चुनाव जीता जा सकता है लेकिन किसी भी राज्य में आमने सामने के चुनाव में यह आंकड़ा बहुत कम है। कर्नाटक की तीसरी पार्टी जेडीएस ने पांच फीसदी वोट गंवाए तो कांग्रेस को भाजपा से 70 सीट ज्यादा मिल गई। भाजपा और कांग्रेस में सात फीसदी वोट का अंतर है लेकिन कांग्रेस को उससे दोगुने से ज्यादा सीटें मिली हैं। इसलिए 36 फीसदी वोट मिलने के नाम पर हर रणनीति का बचाव करना ठीक नहीं है। भाजपा को इस चुनाव से सबक लेना होगा और राजनीतिक मुद्दों से लेकर संगठन तक में अब तक आजमाए जा चुके नुस्खों पर नए सिरे से विचार करना होगा।

मिसाल के तौर पर भाजपा का चुनाव जीतने का एक नुस्खा यह है कि चुनाव से पहले मुख्यमंत्री बदल दो, मंत्रियों को बदल दो, ज्यादा से ज्यादा विधायकों की टिकट काट दो और नए चेहरों को मैदान में उतारो। कुछ राज्यों में यह रणनीति कारगर रही है लेकिन यह कोई रामबाण नुस्खा नहीं है, जो हर जगह काम करेगा। उत्तराखंड और गुजरात में यह योजना सफल रही थी लेकिन कर्नाटक में यह रणनीति पिट गई। भाजपा ने उम्र के हवाले बीएस येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से हटाया था। उसको लग रहा था कि येदियुरप्पा को हटाने से उनके ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से भाजपा को मुक्ति मिल जाएगी, एंटी इन्कम्बैंसी भी खत्म हो जाएगी और नया चेहरा होने से लोगों में उम्मीद बंधेंगी। इस रणनीति पर अमल करते हुए भाजपा को यह ध्यान रखना चाहिए था कि येदियुरप्पा की जगह जो चेहरा लाया जा रहा है वह कितना लोकप्रिय है। इसी तरह एंटी इन्कम्बैंसी कम करने के लिए विधायकों या पूर्व प्रत्याशियों की टिकट काटी गई और राज्य की 224 में से 72 सीटों पर नए चेहरे उतारे गए। इन 72 में से 62 नए चेहरे चुनाव हार गए हैं। जाहिर है सिर्फ चेहरा बदलना पर्याप्त नहीं है। नया चेहरा कितना दमदार है यह ज्यादा अहम है।

लेकिन भाजपा इस पर विचार इसलिए नहीं करती है क्योंकि उसे लगता है कि एक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा ही काफी है, किसी दूसरे दमदार चेहरे की जरूरत नहीं है। इस सोच की सीमाएं भी कर्नाटक में दिखाई दे गई हैं। प्रधानमंत्री का चेहरा दांव पर लगाने के बावजूद भाजपा वहां कुछ नहीं कर पाई। प्रधानमंत्री का चेहरा भाजपा के काम नहीं आया क्योंकि स्थानीय स्तर पर जो चेहरे थे लोग उनसे नाराज थे। मोदी के चेहरे पर चुनाव लडने और जीतने के भरोसे में भाजपा ने अपने कई मजबूत नेताओं को किनारे किए, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ी। उनको अपना मुख्यमंत्री चुनना था, जबकि प्रचार गुजरात और उत्तर प्रदेश के नेताओं के चेहरे पर हो रहा था। कर्नाटक जैसे भाषायी अस्मिता वाले राज्य की संवेदनशीलता का जरा भी ध्यान रखा गया होता तो राष्ट्रीय और प्रादेशिक नेताओं के चेहरों का एक संतुलन बनाने का प्रयास होता। भाजपा को समझना होगा कि निराकार चेहरों को आगे करके हर जगह मोदी के नाम पर चुनाव नहीं जीता जा सकता है।

इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डबल इंजन की सरकार का एक नैरेटिव बनाया है। सोचें, देश में दशकों तक केंद्र और राज्यों में कांग्रेस की ही सरकारें होती थीं लेकिन तब किसी ने विकास के लिए दोनों जगह एक ही पार्टी की सरकार होने यानी डबल इंजन की सरकार की जरूरत नहीं बताई। लेकिन अब हर जगह डबल इंजन की सरकार की जरूरत बताई जाती है। इसके अगर कुछ फायदे हैं तो नुकसान भी है। डबल इंजन की सरकार डबल एंटी इन्कम्बैंसी भी लाती है। उसकी विफलताएं भी दोहरी हो जाती हैं। लोगों का काम नहीं होता है या उनकी मुश्किलें बढ़ती हैं तो उनकी नाराजगी भी दोहरी होती है। वे डबल इंजन की सरकार को डबल फेल यानी दोगुना अक्षम मानने को मजबूर होते हैं। इससे उनका गुस्सा भी डबल होता है और वे दोहरे जोश के साथ नया विकल्प आजमाते हैं। कम से कम कर्नाटक में तो यही देखने को मिला है।

कर्नाटक नतीजों के बाद भाजपा को अपने चुनावी एजेंडे के बारे में भी गंभीरता से सोचना होगा। उसे समझना होगा कि हिंदुत्व या सांप्रदायिक ध्रुवीकरण कराने वाले एजेंडे की भी एक सीमा होती है या उसकी भी एक्सपायरी डेट होती है। हर जगह और हर समय यह एजेंडा नहीं चल सकता है। हो सकता है कि सांप्रदायिक रूप से बहुत संवेदनशील राज्यों में या उत्तर, पश्चिम भारत के राज्यों में यह एजेंडा चले क्योंकि लंबे समय तक मंदिर–मस्जिद और जाति की राजनीति की वजह से इन राज्यों के नौजवानों अपनी आकांक्षाएं गवां चुके हैं या उनकी कोई आकांक्षा कभी पनपी ही नहीं है। लेकिन कर्नाटक जैसे आकांक्षी राज्य में, जिसकी राजधानी बेंगलुरू एक समय एशिया के सिलिकॉन वैली की तरह उभरी थी वहां हिजाब पर पाबंदी, हलाल मीट का विरोध, टीपू सुल्तान को किसने मारा की बहस, लव जिहाद की बहस, बजरंग दल का बचाव करना जैसे मुद्दों पर चुनाव लडना कोई समझदारी की बात नहीं थी। यह तो कर्नाटक की बात है लेकिन दूसरे राज्यों में भी विभाजनकारी मुद्दे सोच समझ कर उठाने होंगे। एक समय के बाद रोजी रोटी का मसला इन मुद्दों को दबा सकता है।

भाजपा को बड़ी गंभीरता से इस बात पर सोचना होगा कि भ्रष्टाचार पर सिर्फ बात करने से काम नहीं चलेगा और सिर्फ विपक्षी पार्टियों के नेताओं पर केंद्रीय एजेंसियों से छापे मरवा कर उनको भ्रष्ट साबित करने की रणनीति भी हर समय कारगर नहीं हो सकती है। इस तरह की राजनीति की भी सीमा है। अति की हर जगह वर्जना बताई गई है। कर्नाटक में भाजपा की सरकार के ऊपर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने राजनीति से निरपेक्ष लोगों के मुंह से 40 फीसदी कमीशन मांगे जाने के आरोप सुने और उन पर भरोसा किया। लोगों ने देखा कि भाजपा विधायक के यहां से आठ करोड़ रुपए नकद पकड़े गए। विधायक के बेटे को रिश्वत मांगने के आरोप में पकड़ा गया। लोगों ने यह भी देखा था कि श्ऑपरेशन कमलत्र के तहत कैसे कांग्रेस के विधायकों को तोड़ा गया।

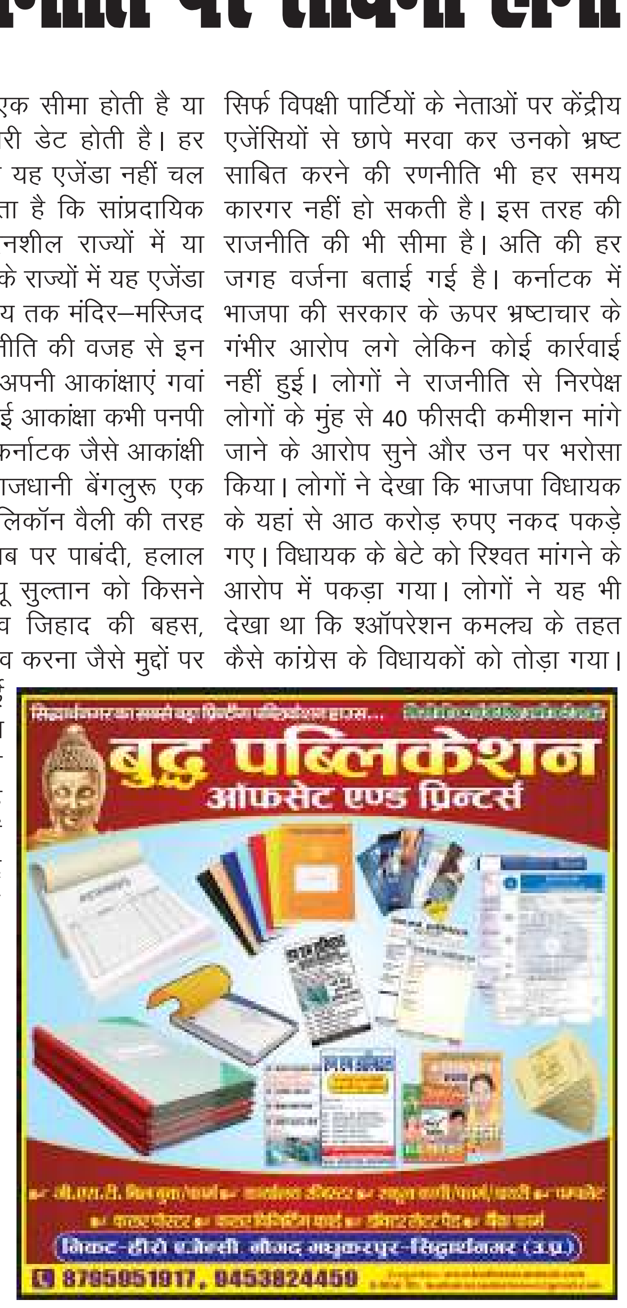

आरसीबी को प्लेऑफ का दावा मजबूत करने के लिए एसआरएच के खिलाफ करनी होगी जीत दर्ज

हैदराबाद। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 में गुरुवार को यहां जब सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ अहम मुकाबले के लिए मैदान पर उतरेगी तो उसकी नजरें प्लेऑफ में जगह बनाने के साथ भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली के प्रदर्शन पर होगी। आरसीबी इस समय 12 मैचों में इतने ही अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। उसे प्लेऑफ में जगह पक्की करने के लिए बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे। एसआरएच के नाम 12 मैचों में आठ अंक है और टीम खिताब की दौड़ से बाहर हो गयी है। कप्तान फाफ डुप्लेसी के साथ कोहली आरसीबी के लिए इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में से एक हैं, लेकिन लगातार दो मैचों में विफलता (राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 18 और मुंबई इंडियंस के खिलाफ एक रन) के बाद यह दिग्गज खिलाड़ी एसआरएच के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर टीम को जीत दिलाने की कोशिश करेगा।

डुप्लेसी 12 मैचों में 57.36 के औसत से 631 रन के साथ मौजूदा सत्र में अब तक लीग के शीर्ष स्कोरर है। कोहली इस मामले में टीम के दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज है। उन्होंने 39. 81 की औसत और छह अध शितकों की मदद से 438 रन बनाये है। कोहली की बल्लेबाजी में हालांकि निरंतरता की कमी रही है और वह तेजी से रन बनाने के मामले में जूझते दिखे है। इन दोनों के अलावा टीम को ग्लेन मैक्सवेल से भी काफी उम्मीद होगी। मैक्सवेल ने मौजूदा सत्र में पांच अध शितकीय पारियां खेली है। इन तीनों के अलावा टीम के अन्य बल्लेबाज लगातार अच्छा करने में विफल रहे है।

टीम पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 112 रन की बड़ी जीत दर्ज करने के बाद आत्मविश्वास से भरी होगी। इस मैच में डुप्लेसी और मैक्सवेल की अर्धशतकीय पारियों से आरसीबी ने पांच विकेट पर 171 रन बनाने के बाद वेन पार्नेल (10 रन पर तीन विकेट), माइकल ब्रेसवेल (16 रन पर दो विकेट) और कर्ण शर्मा (19 रन पर दो विकेट), मोहम्मद सिराज (10 रन पर एक विकेट) की उम्दा गेंदबाजी से राजस्थान की पारी को 10.3 में सिर्फ 59 रन पर समेट दिया था। गेंदबाजी के मोर्चे पर पार्नेल, सिराज और ब्रेसवेल पर फिर से अच्छा करने की जिम्मेदारी होगी। एसआरएच टूर्नामेंट से बाहर होने वाली दूसरी टीम बनने के बाद आत्मसम्मान के लिए खेलेगी।

टीम अपने बाकी दो मैचों में जीत दर्ज करके अपने प्रशंसकों को खुश होने का मौका देना चाहेगी। टीम इस सत्र में बल्लेबाजी और गेंदबाजी विभाग दोनों में ही विफल रही है। बल्लेबाजी में हेनरिच क्लासेन और कुछ हद तक राहुल त्रिपाठी के अलावा कोई भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका। कप्तान एडेन मार्कराम के खराब फॉर्म ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दी। हैरी ब्रूक शुरुआती मैचों के प्रदर्शन को जारी नहीं रख सके जबकि मयंक अग्रवाल बुरी तरह से विफल रहे। भुवनेश्वर कुमार (14 विकेट) और मयंक मार्कंडेय (12 विकेट) के अलावा टीम के अन्य गेंदबाजों ने निराश किया।

टीमें: रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोररू फाफ डुप्लेसी (कप्तान), आकाशदीप, फिन एलेन, अनुज रावत, अविनाश सिंह, मनोज भांडगे, माइकल ब्रेसवेल, वानिंदु हसरंगा, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), सिद्धार्थ कौल, विराट कोहली, महिपाल लोमरोर, ग्लेन मैक्सवेल, मोहम्मद सिराज, वेन पार्नेल, हर्षल पटेल, सुयश प्रभुदेसाई, राजन कुमार, शाहबाज अहमद, कर्ण शर्मा, हिमांशु शर्मा, सोनू यादव, विजयकुमार वैशाख, केदार जाधव। सनराइजर्स हैदराबादरू एडेन मार्कराम (कप्तान), अब्दुल समद, राहुल त्रिपाठी, ग्लेन फिलिप्स, अभिषेक शर्मा, मार्को यानसन, फजलहक फारूकी, कार्तिक त्यागी, भुवनेश्वर कुमार, टी. नटराजन, उमरान मलिक, हैरी ब्रूक, मयंक अग्रवाल, हेनरिक क्लासेन, आदिल राशिद, मयंक मारकंडे, विवरांत शर्मा, समर्थ व्यास, संवीर सिंह, उपेंद्र यादव, मयंक डागर, नीतीश कुमार रेड्डी, अकील होसेन और अनमोलप्रीत सिंह। मैच भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

आईसीयू से बाहर आए पिता, अगले ही दिन बेटे Mohsin Khan ने टीम को दिलाई शानदार जीत, खिलाड़ी ने शेयर किया खास किस्सा

इंडियन प्रीमियर लीग में 16 मई को बेहद ही रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस की टीम को मात्र पांच रनों से लखनऊ सुपर जायंट्स से मात खानी पड़ी। इस जीत के हीरो रहे हैं लखनऊ सुपरजायंट्स के तेज गेंदबाज मोहसिन खान जिन्होंने 20वां ओवर ऐसे डाला की बल्लेबाज 11 रन भी नहीं बना सके और लखनऊ की झोली में मैच आ गया। मोहसिन खान की सधी हुई गेंदबाजी के कारण ही मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाजों टिम डेविड और कैमरून ग्रीन को उन्होंने रन बनाने का कोई मौका नहीं दिया।

इस मुकाबले के बाद मोहसिन खान ने खास बात भी साझा की है। उन्होंने बताया कि मुंबई के साथ मैच खेलने से एक दिन पहले ही उनके पिता आईसीयू से बाहर आए है। उन्होंने कहा कि ये काफी मुश्किल समय था। बीते 10 दिनों से वो अस्पताल में थे और कल ही आईसीयू से बाहर आए है। मैच वो भी देख रहे होंगे। बता दें कि इस मुकाबले में मोहसिन खान ने तीन ओवर में 26 रन लुटाए और एक विकेट झटका था।

बीमारी का भी किया जिक्र

लखनऊ सुपरजायंट्स के तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ टीम को यादगार जीत दिलाने के बाद खास बात साझा की। उन्होंने अपनी बीमारी का जिक्र किया और बुरे समय को याद किया। उन्होंने बताया कि अगर वह चिकित्सकों के पास सही समय पर नहीं पहुंचते तो उनका हाथ भी काटना पड़ सकता था। बता दें कि मोहसिन खान को पिछले साल कंधे की सर्जरी करानी पड़ी थी। उनके बायें कंध ो में खून के थक्के जम गये थे।

सर्जरी के कारण मैदान से रहे दूर

इस सर्जरी के कारण उन्हें काफी समय तक मैदान से दूर रहना पड़ा था। यहां तक कि मोहसिन खान पूरे घरेलू सत्र और आईपीएल के शुरुआती मैच नहीं खेल पाए थे। मोहसिन ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, '' एक समय था जब मैंने क्रिकेट खेलने का भरोसा छोड़ दिया था क्योंकि मेरा हाथ उठता भी नहीं था। बहुत कोशिश करके हाथ किसी तरह उठाता था तो यह सीधा नहीं होता था।'' उन्होंने कहा, ''यह चिकित्सा संबंधी बीमारी थी। मैं उस समय को याद करके डर जाता हूं, क्योंकि डॉक्टरों ने कहा था कि अगर मैं सर्जरी में एक महीना और विलंब करता, तो मेरा हाथ भी काटना पड़ सकता था।''

इस 24 साल के तेज गेंदबाज ने कहा, ''मैं चाहूंगा कि किसी भी क्रिकेटर को यह बीमारी ना हो। यह अजीब तरह की बीमारी थी। मेरी धमनियां पूरी तरह से बंद हो गयी थी। इनमें खून के थक्के जम गए थे। क्रिकेट संघ (उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ), राजीव शुक्ला सर, मेरी फ्रेंचाइजी (लखनऊ सुपरजायंट्स) , मेरे परिवार ने इस मुश्किल समय में काफी समर्थन किया, सहयोग दिया। सर्जरी से पहले और उसके बाद मैंने बहुत ही कठिन समय देखा है लेकिन सब ने मेरा साथ दिया।'' आखिरी ओवर की योजना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''जाहिर है कि इसका दबाव होता है। मैं मैदान में वही करने की कोशिश कर रहा था जो हम आमतौर पर अभ्यास के दौरान करते है। मैं 10 या 11 रन का बचाव करने के बारे में नहीं सोच रहा था। मै छह अच्छी गेंद डालने के बारे में सोच रहा था।

सौरव गांगुली को लेकर ममता सरकार ने लिया बड़ा फैसला, दी जाएगी जेड श्रेणी की सुरक्षा

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को लेकर एक बड़ी खबर आ रही है। पश्चिम बंगाल सरकार ने गांगुली की सुरक्षा को जेड श्रेणी में अपग्रेड करने का फैसला किया है। अपने आप में यह बड़ी खबर है। पश्चिम बंगाल सरकार ने यह 16 मई को लिया जिस दिन क्रिकेटर को पहले प्रदान की गई वाई श्रेणी की सुरक्षा का कार्यकाल खत्म हो रहा था। पहले गांगुली को पहले 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई थी। इस फैसले के बाद गांगुली के पास अब लगभग 8 से 10 पुलिस कर्मी होंगे जो नई सुरक्षा कवर श्रेणी के अनुसार हर समय उनकी रखवाली करेंगे। अधिकारी ने बताया कि सौरव गांगुली की वाई श्रेणी की सुरक्षा का कार्यकाल खत्म हो रहा था। उनकी सुरक्षा की समीक्षा की गई और इसके बाद इसे बढ़ाने का निर्णय सरकार की ओर से

लिया गया है। पिछली सुरक्षा श्रेणी के तहत, सौरव गांगुली को विशेष शाखा से तीन पुलिस कर्मी मिलते थे और इतनी ही संख्या में कानून लागू करने वाले उनके बेहाला स्थित घर की रखवाली करते थे। वर्तमान में गांगुली आईपीएल क्रिकेट टीम दिल्ली कैपीटल्स के साथ यात्रा कर रहे हैं और 21 मई को कोलकाता लौटेंगे। कोलकाता लौटने के साथ ही उसी दिन से उन्हें 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा मिलनी शुरू हो जाएगी। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस और तृणमूल कांग्रेस के सांसद तथा राष्ट्रीय सचिव अभिषेक बनर्जी को 'जेड प्लस' श्रेणी की सुरक्षा मिल रही है, जबकि फरहाद हाकिम और मोलॉय घटक जैसे राज्य सरकार के मंत्रियों को 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाती है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को भी केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों के साथ 'जेड प्लस' श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है।

रोहित शर्मा ने गेंदबाज से ऐसे लिया विराट कोहली का बदला, स्टेडियम में झूम उठे दर्शक

इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए मुकाबले में मुंबई को पांच रन से मात खानी पड़ी। इस मुकाबले में जीत हासिल कर जहां मुंबई की टीम के लिए अब प्लेऑफ की राह मुश्किल हो गई है वहीं लखनऊ तीसरे पायदान पर आ गई है। इस मुकाबले में कुछ ऐसा भी देखने को मिला जिसने एक मई को रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर के विराट कोहली और लखनऊ सुपर जायंट्स के नवीन उल हक के बीच के तनाव को ताजा कर दिया। ये विवाद इस टूर्नामेंट का सबसे बड़ा विवाद है। दरअसल मैच के दौरान जब मुंबई इंडियंस की टीम बल्लेबाजी कर रही थी तो क्रिज पर कप्तान रोहित शर्मा बल्लेबाजी कर रहे थे। पांचवे ओवर में नवीन उल हक मैदान पर गेंदबाजी करने आए। इस दौरान स्टेडिय में मौजूद फैंस से कोहली–कोहली के नारे लगाने शुरु कर दिए। जब भी नवीन उल हक ने मैच में गेंदबाजी की तो फैंस ने चिल्लाते हुए विराट कोहली के नारे लगाए। बता दें कि इस मुकाबले में नवीन उल हक ने 37 रन चार ओवर में दिए थे।

रोहित ने भी लिया दोस्त का बदला

गौरतलब है कि विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा भी आपस में काफी अच्छी बॉन्डिंग शेयर करते है। विराट कोहली और नवीन उल हक के बीच हुई लड़ाई का बदला रोहित शर्मा ने 16 मई को खेले गए मुकाबले में देखने को मिला। रोहित ने नवीन उल हक की स्लोअर गेंद पर स्कावयर लेग पर 65 मीटर लंबा छक्का लगाया। इस मैच में ये शॉट काफी रोचक था, जिसमें हिटमैन में विराट के साथ की गई गुस्ताखी का गुस्सा छक्का जड़कर जाहिर किया। बता दें कि नवीन ने ये गेंद 144ची की रफ्तार से फेंकी थी।

मुंबई को दी मात

चोट के कारण लंबे समय बाद वापसी करते हुए तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने बेहतरीन आखिरी ओवर डालकर लखनऊ सुपर जाइंट्स को आईपीएल के मैच में मंगलवार को मुंबई इंडियंस पर पांच रन से रोमांचक जीत दिलाई जिससे प्लेआफ का उसका दावा भी पुख्ता हो गया। इससे पहले मार्कस स्टोइनिस की कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 89 रन की नाबाद पारी के दम पर लखनऊ सुपर जाइंट्स ने खराब शुरूआत से उबरते हुए कठिन पिच पर तीन विकेट पर 177 रन बनाये। जवाब में मुंबई की शुरूआत धमाकेदार रही लेकिन टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 172 रन ही बना सकी। कंधे की चोट के कारण घरेलू सत्र से बाहर रहे मोहसिन ने आखिरी ओवर में मुंबई को 11 रन नहीं बनाने दिये। वैसे इस हार के बावजूद मुंबई प्लेआफ की दौड़ में बनी हुई है।

1987 में क्या हुआ था ऐसा, 36 साल बाद फिजी के प्रधानमंत्री ने मांगी भारतीयों से माफी

भारत–प्रशांत द्वीप समूह सहयोग शिखर सम्मेलन के तीसरे

फोरम से पहले फिजी के प्रधानमंत्री सीतवेनी राबुका ने देश में 1987 के तख्तापलट में अपनी भूमिका के लिए माफी मांगी है। 1987 में तख्तापलट के बाद देश के पहले भारतीय प्रधानमंत्री तिमोसी बावद्र की एक चुनावी सरकार को उखाड़ फेंका गया था। तख्तापलट ने देश से भारतीय मूल के फिजियों का पलायन शुरू कर दियाा था। अब तीन दशक बाद उन्होंने कबूल किया कि उनके कार्यों से बहुत से लोग आहत हुए हैं, विशेष रूप से इंडो–फिजी समुदाय के लोग। तख्तापलट ने न केवल देश से हजारों भारतीयों को विस्थापित किया था बल्कि दशकों पहले द्विपक्षीय संबंधों को भी तनावपूर्ण बना दिया था। 14 मई की घटना के साल पूरे होने पर उन्होंने कहा कि हम उन लोगों को दोष नहीं देते जो हमसे नाराज हैं या फिर नफरत करते हैं। मैं यहां अपनी गलती मानता हूं और लोगों से माफी की गुजारिश करता हूं। उन्होंने ट्वीटर पर लिखा कि मैं यह स्वीकारोक्ति अपनी ओर से और उन सभी की ओर से करता हूं जिन्होंने 14 मई, 1987 को सैन्य तख्तापलट में मेरे साथ भाग लिया था। हम अपने गलत कामों को स्वीकार करते हैं, और हम स्वीकार करते हैं कि हमने फिजी में हमारे बहुत से लोगों को चोट पहुंचाई है। , विशेष रूप से इंडो–फिजियन समुदाय के लोगों को।

1987 में क्या हुआ था?: भारत के सुदूर पूर्व में प्रशांत महासागर में स्थित फिजी 1874 में ब्रिटेन की कॉलोनी बना था। 1879 से 1916 के बीच वहां भारत से 60 हजार से ज्यादा लोग गन्ने के खेतों में काम करने के लिए लाए गए थे। 1916 में ब्रिटेन की सरकार ने भारत से लोगों को लाना बंद किया और 1920 में मजदूरों के साथ इंडेन्चर्ड लेबर एग्रीमेंट को खत्म कर दिया गया। 1970 में फिजी आजाद हुआ और रातू सर कामिसी मारा पहले प्रध ाानमंत्री बने। 1987 में भारतीय मूल के लोगों के प्रभुत्व वाली सरकार सत्ता में आई। उस दौर में भारतीय मूल के लोग यानी फिजी इंडियन्स की आबादी वहां की मूल लोगों की आबादी से भी अधिक हुआ करती थी। उसी वक्त लेफ्टिनेंट कर्नल सितिवेनी राबुका ने बिना खून खराबे वाले एक तख्तापलट से सत्ता पर कब्जा जमा लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में फिजी में भारतीयों का पलायन हुआ।

जो बाइडन की यात्रा अवधि में कटौती के बाद ऑस्ट्रेलिया ने क्वाड नेताओं का सम्मेलन रद्द किया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के प्रध ाानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा ऑस्ट्रेलिया की अपनी यात्रा रद्द करने के बाद सिडनी में अगले सप्ताह होने वाली क्वाड नेताओं की बैठक अब नहीं होगी। मीडिया में इस बारे में आई खबर से यह जानकारी मिली। अल्बनीज ने कहा कि इसके बजाय ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, भारत और जापान के नेता इस सप्ताहांत जापान में होने वाले जी–7 शिखर सम्मेलन में मुलाकात करेंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन ने मंगलवार को घोषणा की कि वह अपनी ऑस्ट्रेलिया, पापुआ न्यू गिनी की यात्रा को रद्द कर रहे हैं। इतिहास में पहली बार अमेरिकी ऋण अदायगी में चूक को रोकने के लिए वह विपक्षी रिपब्लिकन पार्टी से इस मुद्दे पर चर्चा करने वाले हैं और उन्होंने अनिश्चितता एवं गंभीर व्यापक बातचीत का हवाला देते हुए अपनी ऑस्ट्रेलिया यात्रा रद्द करने का फैसला किया है। व्हाइट हाउस में 'यहूदी अमेरिकी विरासत माह' समारोह में बाइडन ने यह महत्वपूर्ण घोषणा की। इस घोषणा से पहले उन्होंने प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष और रिपब्लिकन पार्टी के नेता केविन मैककार्थी सहित संसद के नेताओं के साथ बैठक की थी। बाइडन ने फोन पर अल्बनीज को अपने फैसले से अवगत कराया। बाइडन ने पारस्परिक रूप से सुविध ाजनक समय के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री को देश की राजकीय यात्रा के लिए आमंत्रित किया है। बाइडन 22 जून को व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेजबानी करेंगे। व्हाइट हाउस में आयोजित समारोह में आये अतिथियों से बाइडन ने कहा, ''मैं अपनी यात्रा अवधि में कटौती

कर रहा हूं।

मैं कांग्रेस के नेताओं के साथ निर्णायक बातचीत के लिए इस यात्रा के दौरान ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी के अपने दौरे को रद्द कर रहा हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैंने आज ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बनीज से बात की और उन्हें वर्तमान हालात के बारे में बताया। मुझे लगता है कि इस बारे में भरपूर सहमति बन रही है कि ऋण अदायगी में चूक कोई विकल्प नहीं है। हमारी अर्थव्यवस्था मंदी की चपेट में आ जाएगी।'' अल्बनीज ने न्यू साउथ वेल्स के ट्वीड हेड्स शहर में कहा, ''सिडनी में क्वाड नेताओं की बैठक अगले सप्ताह नहीं होने वाली है।'' 'एबीसी न्यूज' की खबर के अनुसार, अल्बनीज ने कहा कि इस बात की पूरी संभावना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले सप्ताह सिडनी की यात्रा पर आएं। राष्ट्रपति जो बाइडन को घरेलू राजनीति के कारण अपनी यात्रा अवधि में कटौती करनी पड़ी है। बाइडन इस महीने के आखिर में अमेरिका को उसकी ऋण अदायगी में चूक से रोकने के लिए रिपब्लिकन पार्टी के साथ एक समझौते पर काम कर रहे हैं। अल्बनीज ने कहा, ''इसे एक जून से पहले हल करना होग – अन्यथा अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए काफी गंभीर परिणाम होंगे जिसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ेगा। उन्हें विवेकपूर्ण तरीके से कोई फैसला लेना होगा।'' प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि बाइडन इस बात से ''खुश नहीं'' हैं कि वह ऑस्ट्रेलिया नहीं आ पा रहे हैं इसलिए क्वाड नेताओं ने इसके बजाय हिरोशिमा में जी–7 देशों के नेताओं की बैठक से इतर बैठक का फैसला किया है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा, ''सभी चारों नेता – राष्ट्रपति जो बाइडन (अमेरिका), प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा (जापान), प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी (भारत) और मैं शनिवार और रविवार को हिरोशिमा में होने वाली जी–7 की बैठक में रहेंगे। हम उस दौरान मुलाकात की कोशिश कर रहे हैं और मैं राष्ट्रपति बाइडन के साथ द्विपक्षीय चर्चा भी करने वाला हूं।'' अल्बनीज ने कहा कि संभव है कि प्रधानमंत्री मोदी और जापान के प्रधानमंत्री किशिदा अगले सप्ताह सिडनी आएं लेकिन तीनों देशों के अधिकारी अभी अपनी योजनाओं की पुष्टि की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हम क्वाड नेताओं के साथ बातचीत कर रहे हैं। हम इस बारे में आगे घोषणाएं करेंगे। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी निश्चित रूप से अगले सप्ताह हमारे सम्मानित अतिथि होने जा रहे हैं।

चार लोगों पर दलित उत्पीड़न का केस दर्ज

देवरिया । रामपुर के भलुही टोला पर भूमि विवाद में दो पक्षों में मारपीट हुई थी। शिकायत पर पुलिस ने चार लोगों पर मारपीट, दलित उत्पीड़न आदि का केस दर्ज किया है। रामपुर ग्राम सभा के भलुही टोले पर राजेश यादव और रमाकांत गोंड के बीच भूमि विवाद है। एक सप्ताह पूर्व रमाकांत अपने घोठा पर पशुओं को चारा डाल रहा था। इसी बीच पुरानी रंजिश में राजेश यादव अपने परिवार के सदस्यों के साथ पीड़ित पर हमला बोल दिए। शोर सुनकर पत्नी और बेटी पहुंची तो हमलावरों ने उनकी भी लाठी–डंडे से पिटाई कर दी। मामले में रमाकांत की तहरीर पर पुलिस ने राजेश यादव, राजू यादव, वेदांत यादव और शकुंतला देवी पर मारपीट, एससीएसटी के तहत केस दर्ज किया है। एसओ वीरेंद्र कुशवाहा ने बताया कि केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

दुर्घटना में घायल बाइक सवार युवक की मौत

देवरिया । सड़क हादसे में घायल बाइक सवार युवक की मौत हो गई। देर शाम घर से निकला बाइक सवार युवक गौरी बाजार–हाटा मार्ग पर सड़क किनारे घायलावस्था में पड़ा मिला था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे सीएचसी पर पहुंचाया। यहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। क्षेत्र के ग्राम देवकुंआ निवासी राजेश निषाद (45) पुत्र रामकेवल निषाद देर शाम बाइक से किसी काम के लिए निकले थे। देर रात गौरीबाजार–हाटा मार्ग पर बाइक सवार पर पांडेय भिसवां के पास सड़क किनारे पड़ा था। राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस युवक को लेकर सीएचसी गौरी बाजार पहुंची।जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने ही इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी। सूचना मिलते ही युवक के घर में कोहराम मच गया।

ट्रांसफार्मर की खूंटी जलने से सैकड़ों घर रह रहे अंधेरे में

देवरिया । विकासखंड बनकटा के ग्राम सभा सोहनपुर बाजार में लगे 100 केवी के ट्रांसफार्मर की खूंटी एक दिन पूर्व जल गई। इस कारण उसभरी गर्मी में ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रात्रि में लोग अंधेरे में रह रहे हैं। इसके चलते जहां लोग अंधेरे में रहने के लिए विवश हैं, वहीं भीषण गर्मी में बिजली नहीं रहने से गांव में मोबाइल चार्ज नहीं हो पा रहा है। बाजार में छोटे–बड़े सभी व्यवसायी व दुकानदारों के सामने समस्या खड़ी हो गई है। पानी का अभाव हो गया। सबसे ज्यादा परेशानी गर्मी में महिलाओं और बच्चों को हो रही है। गांव के धर्मेंद्र गुप्ता, दुर्गा वर्मा, शमशाद अहमद, मनोज ठाकुर, अमित, जितेंद्र मद्धेशिया, शंभू प्रसाद, अशोक कुमार, राजू वर्मा आदि ने जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर ठीक कराने की मांग की है। जेई सनी सिंह ने बताया कि जल्द ही बिजली आपूर्ति शुरू हो जाएगी।

एटीएम में चोरी का प्रयास करते दो लोग पकड़े गए

महाराजगंज। रेलवे स्टेशन रोड स्थित एक एटीएम में दिनदहाड़े चोरी का प्रयास करते हुए दो लोगों को स्थानीय लोगों ने पकड़ कर नगर चौकी पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार, सिसवा कस्बा निवासी मुकेश बंका का रेलवे स्टेशन रोड पर इंडिया वन के नाम से प्राइवेट एटीएम है। सुबह करीब 10:30 बजे मुकेश बंका किसी कार्य से एटीएम के पास पहुंचे। उन्होंने देखा कि दो लोग पेचकस से एटीएम को खोलने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने शोर मचाया तो लोग आ गए। लोगों ने दोनों चोरों को रंगे हाथ दबोच लिया। नगर चौकी प्रभारी अनघ कुमार ने बताया कि दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। दोनों के पास पेचकस, चिमटी व हथौड़ी बरामद हुई है।

विद्यालयों में लगने लगे हमारे शिक्षक बोर्ड

महाराजगंज। परिषदीय स्कूलों में तैनात शिक्षकों की मौजूदगी व उनके विवरण को जानने में अब बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों को परेशानी से नहीं जूझना पड़ेगा। अधिकांश विद्यालयों ने तेजी दिखाते हुए हमारे शिक्षक का बोर्ड को स्कूल में लगा दिया गया है। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से जिले में संचालित सभी 1695 परिषदीय व 13 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के प्रधानाध्यापकों को हमारे शिक्षक बोर्ड लगाने का निर्देश दिया था। कुछ विद्यालयों ने इसे पूरा किया व अधिकांश ने रूचि नहीं दिखाई। स्कूलों की ओर से की जा रही इस शिथिलता पर अमर उजाला ने 10 मई के अंक में कई परिषदीय स्कूलों में नहीं लगे हैं हमारे शिक्षक का बोर्ड शीर्षक से खबर प्रकाशित किया था। खबर छपने के बाद अधिकांश परिषदीय स्कूलों व कस्तूरबा विद्यालयों ने हमारे शिक्षक बोर्ड को लगवा दिया है। नगर क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बैकुंठपुर, गबड्डुआं, पिपरा बाबू, पूर्व माध्यमिक विद्यालय सदर समेत अन्य परिषदीय स्कूलों व कस्तूरबा विद्यालयों में अब निरीक्षण के लिए जाने वाले अधिकारियों के शिक्षकों के विवरण व उनकी उपस्थिति को जानने में समस्या नहीं आएगी व उनकी वास्तविक स्थिति को जाना जा सकेगा।

सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं, निजी अस्पतालों का सहारा

महाराजगंज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती नहीं होने से मरीज निजी अस्पतालों में इलाज कराने के लिए विवश हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जिले में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेषज्ञ डॉक्टरों के 111 पद स्वीकृत हैं, लेकिन 15 विशेषज्ञ डाक्टरों की तैनाती है। 96 पद रिक्त चल रहे हैं। इनमें छह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऐसे हैं, जिसमें एक भी विशेषज्ञ डाक्टर की तैनाती नहीं है। छह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर एक विशेषज्ञ तैनात हैं। चार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर दो या दो से अधिक विशेषज्ञ तैनात हैं। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. नीना वर्मा ने बताया कि निदेशालय की ओर से डॉक्टर, फार्मासिस्ट व पैरामेडिकल स्टाफ की सूची मांगी गई है। तैनाती का कार्य शासन स्तर से होता है। जिले में कुछ विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती हो सकती है। वर्तमान में जो व्यवस्था है, उसमें बेहतर ढंग से स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। सिर्फ एक सीएचसी पर स्त्रीरोग विशेषज्ञ की तैनातीः कागज में भले ही स्वास्थ्य केंद्रों पर ऑपरेशन के प्रसव के लिए उपकरण खरीदा गया हो, लेकिन परतावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ही महिलाओं को यह सुविधा मिल रही है। फरेंदा में तैनात स्त्री रोग विशेषज्ञ को जिला अस्पताल से अटैच कर लिया गया है। इससे यहां भी ऑपरेशन से प्रसव नहीं के बराबर है। इतना ही नहीं, सीएचसी, पीएचसी पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती न होने से जिला अस्पताल में मरीजों का दबाव बढ़ रहा है। सीएचसी पर आने वाले मरीजों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया जाता है।

शहर की सरकार,पर पांच साल रहेगा चुनौतियों का अंबार

कच्ची सड़कें, मोहल्लों में जलभराव, नए वार्डों में पथ प्रकाश, पेयजल की समस्या से पाना होगा निजात

देवरिया। 30 मई को संभावित शपथ ग्रहण के साथ नगर में नई सरकार के अस्तित्व में आ जाने की संभावना है। इस सरकार के लिए आने वाले पांच साल चुनौतियों से भरे हैं। सीमा विस्तार में शामिल हुए आठ नए वार्ड के करीब 50 हजार लोगों तक शहरी सुविधाएं पहुंचाने के लिए मेहनत करनी पड़ेगी। इनमें ज्यादातर वार्डों में संपर्क मार्ग की स्थिति ठीक नहीं है। पेयजल पाइप व पथ प्रकाश की सुविधा नहीं है। कई पुराने वार्डों में भी समस्याओं का अंबार है। सोमनाथ नगर, पिड़रा, अली नगर, शहीद नगर, बाबू बभनी, चटनी गढ़ही मोहल्ला, रामगुलाम टोला पूर्वी, चकियवां मंगलमपूरम आदि मोहल्लों में बरसात शुरू होते ही जलभराव की समस्या से लोगों को महीनों जूझना पड़ता है। सड़क–नाली का अभाव है। इसके अलावा शहर में वाहन पार्किंग का इंतजाम, अस्थायी कूड़ा डंपिंग ग्राउंड को सुव्यवस्थित बनाने की जिम्मेदारी नई सरकार की होगी।

पांच सौ से अधिक सड़कों के निर्माण की चुनौती

नगर क्षेत्र में नए व पुराने वार्डों को मिलाकर करीब चार सौ सड़कें कच्ची हैं। घर बना लेने के बाद से ही लोग सड़क पक्की होने का इंतजार कर रहे हैं। सौ से अधिक संपर्क मार्गों के निर्माण की दरकार है। जिससे नए वार्डों को सीधे शहर से जोड़ा जा सके।

जल निकासी का इंतजाम

शहर में जल निकासी की समस्या बीते पांच साल से नासूर बनी है। इसके लिए 44 करोड़ की परियोजना पर काम तो चल रहा है, लेकिन इसका लाभ ज्यादातर शहर के मध्यवर्ती बासिंदो को ही मिल पाएगा। सोमनाथ नगर, रामगुलाम टोला पूर्वी, अली नगर, शहीद नगर, बाबू बभनी, चटनी गढ़ही मोहल्ला, चकियवा मंगलमपूरम आदि मोहल्लों नाली निर्माण न होने के चलते बरसात में जलभराव की समस्या रहती है।

60 हजार लोगों तक पहुंचाना होगा पेयजल

वर्तमान समय में नगर पालिका करीब 20 हजार परिवारों को ही पाइप के सहारे पेयजल आपूर्ति कर पा रही है। पुराने वार्डों के लगभग 10 हजार परिवार पहले से ही पेयजल सुविधा से वंचित हैं। इसके अलावा नव सृजित आठ वार्ड में पेयजल पाइप लाइन का काम नहीं हुआ है। यहां कि आबादी हैंडपंप पर निर्भर है।

10 हजार जगहों पर करना होगा उजाला

नगर पालिका ने शहर में 7509 जगहों पर पथ प्रकाश की व्यवस्था की है। सीमा विस्तार के बाद करीब 10 हजार प्रकाश प्वाइंट चिह्नित कर स्ट्रीट लाइट लगवाना पड़ेगा। इसके अलावा पुरवा चौराहा से रुद्रपुर मोड़ तक पोल लगाकर प्रकाश की व्यवस्था सुदृढ़ करनी पड़ेगी।

सफाई व्यवस्था सुधारने की चुनौती

नगर पालिका के पास नियमित, संविदा व आउट सोर्सिंग मिलाकर करीब साढ़े तीन सौ सफाई कर्मी हैं। पहले से ही 50 कर्मियों की कमी थी। अब सीमा विस्तार होने के बाद नए वार्डों में करीब 80 सफाईकर्मी तैनात करने पड़ेंगे। इसके अलावा डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन, अस्थायी कूड़ा डंपिंग ग्राउंड का निर्माण कराना होगा।

पार्किंग की व्यवस्था जरूरी

शहर में कहीं भी पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। नगर पालिका 10 साल से हर बार की बजट बैठक में पार्किंग की सुविधा देने के लिए मसौदा तैयार करती है। जगह न मिल पाने के चलते यह प्रस्ताव ठंडे बस्ते में चला जाता है। शहर में पार्किंग की सुविधा नहीं होने के चलते लोग अपने वाहन सड़क पर खड़ी करते हैं। इससे दिन भर जाम की समस्या उत्पन्न होती है।

32 सड़क बाजार मार्ग घोषित, व्यवसाय को मिलेगा बढ़ावा

देवरिया। शहर में अब 32 सड़कों के किनारे बाजार सज सकेंगे। इससे शहरवासियों को खरीदारी के लिए कहीं दूर नहीं जाना होगा और समय की बचत होगी। दरअसल .डीएम कार्यालय में महायोजना 2031 के तहत विनियमित क्षेत्र बोर्ड की बैठक में शहर की 32 सड़कों के किनारे बाजार लगाने के प्रस्ताव को सहमति प्रदान की गई। इससे छोटे व्यवसायियों को सर्वाधिक लाभ होगा। उन्हें कहीं भी अवैध तरीके से अपनी दुकान लगाने पर कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। विनियमित क्षेत्र बोर्ड के अध्यक्ष व डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता वाली कमेटी ने शहर के मुख्य मार्गों के दोनों ओर व्यवसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 12 मीटर या उससे चौड़ी सड़कों पर बाजार मार्ग बनाने के प्रस्ताव पर सहमति बनी। यही नहीं निर्मित क्षेत्र के बाहर 24 मीटर या उससे अधिक चौड़ी सड़क के दोनों तरफ भी बाजार मार्ग का प्रस्ताव किया गया है। शाम हुई बैठक की बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष गिरीश चंद्र तिवारी, एसडीएम सौरभ सिंह, ईओ रोहित सिंह पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता राजेश कुमार सिंह, आर्किटेक्ट हितेश मौजूद रहे।

बनाए जाएं स्पष्ट नियम : डीएम

डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि महायोजना 2031 के तहत विनियमित क्षेत्र बोर्ड की बैठक में शहर में व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अहम प्रस्ताव लाए गए। इनमें शहर की 32 सड़कों को बाजार मार्ग घोषित किया गया है, ताकि व्यावसायिक गतिविधियां यहां बढ़ सकें। डीएम ने कहा कि महायोजना 2031 से संबंधित स्पष्ट निमय बनाए जाएं, जो आम लोगों की समझ में आएं। उन्होंने कहा कि जन सुविधाओं का विकास भविष्य को ध्यान में रखकर किया जाए, ताकि आने वाले समय में भी इससे कोई परेशानी न होने पाए।

बोर्ड की बैठक में ये प्रस्ताव भी आए –जाम की स्थिति से निजात पाने के लिए बाईपास का प्रस्ताव – बाईपास मार्गों और हाईवे के मिलान बिंदु के निकट ट्रक और बस अड्डा का प्रस्ताव, ताकि नगर में भारी वाहनों का आवागमन रोका जा सके – राष्ट्रीय व प्रांतीय राजमार्गों व प्रस्तावित बाईपास के दोनों तरफ 30 मीटर की हरित पट्टी के बाद तीन सौ मीटर की गहराई तक राजमार्गीय सुविधा जोन, भू उपयोग का प्रस्ताव

जमीन के फर्जीवाड़े में केस दर्ज हो गया तो विवेचना पूरी होने में बीत जाएगी उम्र

रिपोर्ट दर्ज होने के बाद भी लटका रहता है मामला, पीड़ित दर-दर की ठोकर खाने को रहते हैं विवश

महराजगंज। जमीन की खरीद–फरोख्त के दौरान जालसाजों के फेर में फंस गए तो तहसील और थाने का चक्कर लगाने में एड़ियां घिस जाएंगी। भागदौड़ कर किसी तरह से रिपोर्ट दर्ज भी हो गई तो विवेचना पूरी होने की राह आसान नहीं होगी। पीड़ितों का इधर–उधर चक्कर लगाना पड़ता है। कभी तहसील तो कभी थाने का चक्कर लगाने को पीड़ित विवश रहते हैं।

जानकारी के अभाव में जमीन खरीदने के दौरान लोग जालसाजी का शिकार हो जाते हैं। लालच देकर दलाल जमीन बेचने के बाद किनारा कस लेते हैं। इसके बाद जमीन खरीदने वालों की परेशानी बढ़ जाती है। किसी तरह से भागदौड़ करने के बाद अगर केस दर्ज हो जाय तो विवेचना पूरी होना आसान नहीं होता है। कानून पेच में उलझे पीड़ित को इधर–उधर भटकना पड़ता है। हमेशा मुकदमे की तारीख देखने से लेकर थाने तक पीड़ित चक्कर लगाना पड़ता है। कई बार ऐसा मामला आता है कि जमीन खरीदने वाले व्यक्ति को कब्जा भी नहीं मिल पाता है। पहले तो मोटी रकम खर्च हो जाती है, दूसरे कब्जा के लिए इधर–उधर भटकना पड़ता है। विक्रेता कब्जा नहीं करने देते हैं। फर्जी दस्तावेज तैयार कराकर जमीन को बेच देने, एक ही जमीन या प्लाट कई लोगों को बेच कर लोगों के रुपये हड़प लेते हैं। पीड़ितों को मुकदमा दर्ज कराने के लिए जूझना पड़ता है। तहरीर लेकर पीड़ित जब थाने पर जाते हैं तो पुलिस सुनवाई नहीं करती। इसके बाद लोग एसपी के पास फरियाद करते हैं। एसपी के संज्ञान में मामला आने पर ही एफआईआर दर्ज होती है। इसके बाद पुलिस के विवेचना की प्रक्रिया शुरू होती है।

जांच की यह प्रक्रिया अपनाती है पुलिसः दरोगाओं का कहना कि जमीन की जालसाजी से जुड़े मामलों में पुलिस सबसे पहले यह जानकारी जुटाती है कि किससे गलती हुई है। उसे चिह्नित किया जाता है। उसके बाद सभी तथ्यों को केस डायरी (सीडी) में दर्ज किया जाता है। इसकी कार्ययोजना बनाकर उच्चाधिकारियों को बनाकर उनसे अनुमति ली जाती है। धोखाधड़ी के आधार पर साक्ष्य जुटाकर विवादित दस्तावेजों का प्रमाणीकरण, सभी पक्षों के हस्ताक्षर, अंगूठा छाप इत्यादि जुटाया जाता है। दरोगाओं के मुताबिक सबसे ज्यादा समय तहसील से रिकार्ड जुटाने में लगता है।

दस्तावेजी प्रमाण जुटाने की वजह से बिलंब होताः जालसाजी के मुकदमों में दस्तावेजी प्रमाण जुटाने की वजह से बिलंब होता है। जब तक मामले की जांच चलती है। तब तक वादी खुद या अपने अभिवक्ता के जरिये पैरवी में जुटे रहते हैं। दीवानी कचहरी के अधिवक्ताओं का कहना है कि बिना विवेचना पूरी हुए कोर्ट में चार्जशीट दाखिल नहीं होगी।

ब्लाक मुख्यालय के सामने दर्द से कराह रही विछिप्त महिला

दैनिक बुद्ध का संदेश

रतनपुर,महाराजगंज। नौतनवां ब्लाक मुख्यालय के ठीक सामने बीते एक सप्ताह से एक अज्ञात विछिप्त महिला कहीं से आई है। जिसकी उम्र लगभग 35 वर्ष के करीब होगा। बताते चलें कि उक्त महिला के बाये हाथ का पंजा सड गया है। पंजे मे दो उगली भी नही है। वह महिला ब्लाक मुख्यालय के ठीक सामने रह रही है। वहां मौजूद आस पास के लोगो ने बताया की महिला का हाथ पंजे से लेकर उपर बाह तक सड गया है। जिसमे कीडे भी पड गये है। जिसकी वजह से विछिप्त महिला दिनरात दर्द से कराहती एव चिल्लाती है।

वही आसपास के लोग विछिप्त महिला को एक सप्ताह से भोजन पानी के साथ दवा एव फिनायल का छिडकाव भी कर रहे है। बीते दो दिन पूर्व विछिप्त महिला का दर्द लोगो से नही देखा गया तो तीन चार लोग मिलकर महिला का सडा हाथ साफ कर उसपर दवा एव पट्टी लगाऐ थे। स्थानीय नागरिकों ने यह भी बताया की विछिप्त महिला के इलाज एव देखरेख के लिए कोई भी एन्जियो एव संस्था आगे नही आ रही है। सभी एन्जियो एव संस्था की इन्सानियत व मानवता मर चुकी है। इन्सान की कोई भी कीमत नही महिला जहां रह रही है वहा से मात्र सौ कदम पर सीएचसी सी मौजूद है। उसके बाद भी विछिप्त महिला का इलाज नही हो पा रहा है। जिस कंडीसन मे महिला है। उसे देखकर यह लगता है कि अगर उसका इलाज समय पर नही हुआ तो वह जल्द ही जमीन पर रगडते मर जायेगी।

आयुष्मान कार्ड न बनाने पर 19 ग्राम सचिवों से मांगा स्पष्टीकरण

महराजगंज। जिले की 19 ग्राम पंचायतों में पांच दिन में एक भी आयुष्मान कार्ड न बनाने पर नाराजगी जताते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी ने संबंधित ग्राम सचिवों से स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने कार्ड बनाने में रुचि न लेने वाले पंचायत सहायकों का पांच दिन का मानदेय रोकने के निर्देश दिए हैं। जिले की ग्राम पंचायतों में तैनात पंचायत सहायकों को प्रतिदिन पांच आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य दिया गया है। कुछ ग्राम पंचायतों की ओर से इसमें रुचि ली जा रही है। जबकि कुछ की ओर से शिथिलता बरती जा रही है। 10 से 14 मई के बीच में कार्ड बनाने में रुचि न लेने पर धानी के ग्राम बैशार, चौका, महदेवा व पुरंदरपुर, घुघली के पौहरिया, कोइलाडाड़, पटखौली, घघरुआ खड़ेसर, परसिया, महावनखोर, पचरूखिया, पिपरा मुड़ेरी व धनगढ़ी मुड़ेरी एवं परतावल ब्लॉक के बेजौली, जमुनिया, धनहा नायक, भरगावां उर्फ लक्ष्मीपुर, बरियारपुर व बसवार के ग्राम सचिवों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिला पंचायत राज अधिकारी यावर अब्बास ने बताया कि आयुष्मान कार्ड बनाने के लक्ष्य को पूरा नहीं करने पर 19 सचिवों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। आगे भी शिथिलता बरतने पर कार्रवाई की जाएगी।

जल जीवन मिशन के कार्यों को समय सीमा कराएं पूरा

महराजगंज। जल जीवन मिशन के तहत जिले में कराए जा रहे कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा कराया जाए। इसमें शिथिलता न बरती जाए। ये बातें जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन से जुड़े कार्यों के प्रगति की समीक्षा करते हुए कहीं। उन्होंने ट्यूबवेल बोरिंग की समीक्षा में अधिशासी अभियंता नलकूप को निर्देश दिए कि बोरिंग कार्यों को तेज करने के लिए मशीनों कि संख्या बढ़ाएं, ताकि कार्य समय से पूरा हो सके। जल जीवन मिशन परियोजना से जुड़ी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि गांव में पाइप लाइन बिछाते समय सड़कों को अधिक मात्रा में क्षतिग्रस्त न किया जाए। ऐसा करने वाले लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। उन्होंने हैंडओवर की जा चुकी योजनाओं के सफल संचालन के लिए ग्राम प्रधानों एवं संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के साथ बैठक कराने के भी निर्देश दिउ। इस दौरान अधिशासी अभियंता जल निगम आतिफ हुसैन, सहायक अभियंता महेश चंद्र आजाद, कार्यदायी संस्थाओं से जुड़े लोग मौजूद रहे।

चर्चित आदित्य साहनी हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज। परसामलिक थानाक्षेत्र के चर्चित आदित्य साहनी हत्याकांड

का पुलिस ने रहस्योद्घाटन कर दिया है। इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए बताया गया कि प्रेमिका के पिता व बड़े पिता ने मिलकर पहले बेरहमी से आदित्य की हत्या की और फिर शव को गांव के बाहर काली मंदिर परिसर में स्थित चंदन के पेड़ से टांग दिया था। पुलिस ने हत्यारोपितों को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया। परसामलिक थानाक्षेत्र के सेखुआनी गांव में 13 मई की सुबह गांव के काली मंदिर परिसर में चंदन के पेड़ से गांव के ही एक युवक का लटकता हुआ शव देख पूरा गांव सहम उठा था। शव की पहचान आदित्य साहनी उम्र 22 वर्ष के रूप में हुई थी। घटना की सूचना पर परसामलिक थाने की पुलिस मौके पर पहुंची थी। युवक कुछ दिन पहले कमाने हैदराबाद गया था। उसके परिजनों ने भी बताया कि आदित्य ने घर आने के बारे में कोई सूचना नहीं दी थी।हत्या के बाद एसपी डॉ. कौस्तुभ ने नौतनवा सीओ अजय सिंह चौहान के नेतृत्व में परसामलिक थानाध्यक्ष प्रशांत पाठक के अलावा क्राइम ब्रांच, स्वाट टीम व सर्विलांस सेल को जांच में लगाया था। परसामलिक पुलिस ने आदित्य के मोबाइल फोन का काल डिटेल रिकार्ड निकाला। काल डिटेल की गहराई से पड़ताल के बाद पुलिस को अहम सुराग मिला। इसके बाद पुलिस के जांच की रडार पर लड़की व उसके परिजन भी आ गए। पूछताछ में यह पता चला कि प्रेमिका की शादी होने की जानकारी मिलते ही आदित्य हैदराबाद से अपने गांव आने के लिए निकल गया था और वह 12 मई की रात में ही गांव आ गया, लेकिन वह अपने घर जाने की बजाय सीधे प्रेमिका के घर ही पहुंच गया। यह बात युवती के परिजनों को नागवार लगी। परिजनों ने आदित्य को मारना–पीटना शुरू कर दिया। इससे उसकी मौत हो गई।

भारत में सोशल मीडिया का सामाजिक प्रभाव –दशा एवं दिशा– एक विश्लेषण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। आधुनिक समाज में सोशल मीडिया का महत्व व उपयोग बढ़ता ही जा रहा है। इसलिए इसके प्रयोग और दुरुपयोग का विश्लेषण करना व सकारात्मक पहलुओं को तलासना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी हो गई है। मानव सभ्यता की उत्पत्ति काल से ही मनुष्य आपसी वैचारिक संबंध बनाए रखने के विभिन्न माध्यमों के लिए तरह–तरह के प्रयोग करता रहा है। यदि हम प्राचीन मानव सभ्यता का अध्ययन करें तो पाते हैं कि मनुष्य आपसी संबंधों को बनाए रखने के लिए अपने व्यस्ततम जीवन एवं रोजी–रोटी कमाने से फुर्सत निकालकर एक आयोजन समाजिक स्तर पर या विभिन्न माध्यमों का सहारा लेकर सामाजिक एकत्रीकरण के लिए करता रहा है जहाँ सभी जन को अपने–अपने विचारों को रखने की स्वतंत्रता होती थी और इससे एक नए विचार की उत्पत्ति होती थी। इन स्वतन्त्र विचारों का सामाजिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका भी होती थी। समय परिवर्तन के साथ ही सामाजिक संबंधों को बनाए रखने व अपने विचारों को एक– दूसरे तक पहुंचाने के माध्यम को भी बदला गया। बीच में कुछ प्लेटफार्म के रूप में जैसे रेडियो, टेलीविजन इत्यादि के माध्यम से कुछ चुनिंदा लोगों को ही अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए अवसर प्राप्त होता था और उनके विचारों से ही अन्य लोग भी अपने को अपडेट करने का अवसर प्राप्त करते थे फिर धीरे–धीरे इस स्वरूप ने एक बड़ा आकार लिया और आज हमारे बीच में यह मोबाइल फोन, कंप्यूटर में सॉफ्टवेयर के रूप में एक–दूसरे से जुड़े रहने का माध्यम बना। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि आधुनिक समाज अर्थ प्रधान व्यवस्था को अधिक महत्व देता है, अतः मनुष्य अपने जीवन को आर्थिक रूप से मजबूत बनाए रखने के लिए धन कमाने के लिए भिन्न–भिन्न तरह के माध्यमों को तलासने में लगा हुआ है और अत्यधिक व्यस्त जीवन जीने को मजबूर है। जीवन में अत्यधिक व्यस्तता के कारण वह सामाजिक संबंधों से दूर होता चला जा रहा है। समय की कमी और आधुनिक व्यस्तता भरी जिंदगी में मनुष्य को सोशल मीडिया ने अर्थात इलेक्ट्रॉनिक सोशल मीडिया ने एक बहुत ही जीवन्त माध्यम उपलब्ध कराया है। जिसके माध्यम से वह थोड़े समय में अपने विचारों को शेयर करके लोगों के बीच में खुद आसानी से पहुंच जाता है। यह माध्यम मनुष्य के लिए जल्दी और सुगम हो गया है जिससे वह देश–दुनिया की तमाम सूचनाओं से भी अपडेट होता रहता है और सोशल एप्लीकेशन के माध्यम से वह अपने विचारों को भी अपडेट करता रहता है। आज पूरी दुनिया की सूचनाओं को मनुष्य ने अपनी मुट्ठी में पा लिया है। परंतु इसके नकारात्मक पहलू भी है। आज मनुष्य एक दूसरे को बेवकूफ बनाने, ठगने और अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए सोसल मीडिया का दुरुपयोग करने लगा है इसलिए इस सामाजिक प्लेटफार्म को सकारात्मक बनाए रखने के लिए इसके प्रयोग पर हमें सावधानी बरतनी होगी अन्यथा यह सोशल मीडिया हमारे सामान्य जीवन के लिए घातक बन सकता है। वैसे तो जीवन में उपयोग आने वाली प्रत्येक चीजों के दो पहलू होते हैं जिसके सकारात्मक पक्ष और नकारात्मक पक्ष दोनों ही होते हैं और यह आवश्यक भी है क्योंकि इन दोनों पहलुओं के बिना किसी भी वस्तु का अस्तित्व सम्भव नहीं है। जहां तक इलेक्ट्रॉनिक सोशल मीडिया का प्रश्न है यह तो हमारे ऊपर निर्भर करता है कि हम इसका प्रयोग किस स्तर तक करें ताकि यह हमारे लिए उत्तम बन सके। यह हमें स्वयं निर्धारित करने की जरूरत है। यह कटु सत्य भी हम सभी को स्वीकारना ही होगा कि आधुनिक समाज मे सोशल मीडिया के बिना जीवन को पूर्ण नहीं समझा जा सकता है। एक समय वह भी था जब हम सूचनाओं को प्राप्त करने के लिए या किसी के पास पहुंचाने के लिए किसी व्यक्ति विशेष के ऊपर आश्रित रहते थे। व्यक्ति विशेष के मिलने पर ही हम अपने को अपडेट कर पाते थे। उदाहरण के रूप में सूचनाओं को प्राप्त करने के लिए मात्र पुस्तक या शिक्षक या हमारे गार्जियन या हमारे सीनियर ही हमारे माध्यम होते थे जबकि आज इस सोशल मीडिया ने एक क्लिक पर हमें दुनिया की सभी सूचनाओं को आसानी से शुलभ कर दिया है। इसका प्रयोग कर हम सभी अपने आपको सदा ही अपडेट करते रहते हैं। कुल मिलाकर यह सामाजिक संबंधों का जो माध्यम है यह हमारे ऊपर ही निर्भर करता है कि हम इसका सदुपयोग करते हैं अथवा दुरुपयोग। यह तय करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। इसके लिए विशेष जागरूकता अभियान खासकर युवाओं के लिए चलाए जाने की आवश्यकता है ताकि इसके गुण और दोषों को आसानी से उनके बीच पहुंचाया जा सके और इसकी अच्छाइयों का भरपूर फायदा उठाया जा सके। इसके प्रयोग और दुरुपयोग–जहां तक सोशल मीडिया के प्रयोग और दुरुपयोग का प्रश्न है जब वैज्ञानिक अनुसंधान का अध्ययन किया जाता है तो यह प्राप्त होता है कि सोशल मीडिया के लिए बनाए गए प्रत्येक एप्लीकेशंस एक निश्चित उद्देश्य के लिए ही तैयार किए गए हैं और उनके विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर इसे तैयार किया गया है। किसी भी एप्लीकेशन का प्रयोग करते समय हमें यह सावधानी बरतनी चाहिए कि यह विशेष एप्लीकेशन किस उद्देश्य से तैयार किया गया है जब हम इन सभी पहलुओं का अध्ययन करेंगे तो हम पाएंगे कि यह हमारी विशेष और गुणकारी भावनाओं को दूसरों तक पहुंचाने का एक बड़ा ही सरल माध्यम है। हमें इसका प्रयोग करते समय यह सावधानी भी बरतनी चाहिए कि हमारे द्वारा शेयर की गई सूचनाएं भ्रामक तो नहीं है अथवा गुमराह करने वाली या फालतू और महत्वहीन तो नहीं है तब तो हम इसका उचित प्रयोग कर पाएंगे। जैसा कि आज हम सोशल मीडिया पर बहुत सी भ्रामक खबरों को पढ़कर गुमराह हो जाते हैं और उसे ही सत्य मानने लगते हैं। जबकि हमें सावधानीपूर्वक प्रत्येक विचारों और सूचनाओं को एक निश्चित हद तक परीक्षण करना चाहिए तभी उन्हें आगे शेयर करना चाहिए ताकि हम एक समृद्ध, सुसज्जित और अच्छे समाज का निर्माण करने में अपना योगदान दे सकें। जहां तक मेरा मानना है कि सोशल मीडिया के लिए तैयार किए गए विशेष एप्लीकेशन में व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम एवं टेलीग्राम जैसे बहुत सारे ऐसे एप्लीकेशंस है जो हमें अपनी सूचनाओं को दुनिया के कोने में आसानी से भेजने में और किसी भी सूचना को प्राप्त करने में हमारी मदद करते हैं परन्तु इनके प्रयोग से पहले हमें यह भी विचार कर लेना चाहिए कि इन सामाजिक माध्यमों पर जिस तरह के विचार हम शेयर करते हैं उसी तरह की एक छवि सामने वाले के मस्तिष्क में हमारे प्रति भी तैयार हो जाती है। यह हमारे ऊपर ही निर्भर करता है कि हम अपनी छवि अपने सोशल मीडिया पर एक अच्छे व्यक्तित्व के रूप में रखना चाहते हैं अथवा नहीं।

ओवर रेटिंग होते पाए जाने पर 2 विक्रेताओं को गिरफ्तार कर भेजा जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

■ आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में व जिलाधिकारी एवं पुलिस कमिश्नर के नेतृत्व में आबकारी विभाग निरंतर एक्शन में

गौतमबुद्धनगर। आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में व जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में अवैध शराब के निष्कर्षण एवं अवैध शराब के व्यापार के विरुद्ध चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत जिला आबकारी अधिकारी गौतम बुद्ध नगर राकेश बहादुर सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 3 डा0 शिखा ठाकुर एवं आबकारी निरीक्षक चंद्रशेखर सिंह द्वारा विदेशी शराब दुकान छपरौली एवं बियर दुकान छपरौली पर निर्धारित मूल्य से ज्यादा मूल्य पर विक्रय करते पाये जाने पर दुकान पर उपस्थित विक्रेता प्रदीप कुमार पुत्र शिशुपाल सिंह निवासी ग्राम चासी थाना नर्सेना जिला बुलंदशहर एवं विक्रेता पंकज कुमार पुत्र ओम दत्त निवासी ग्राम देहरा थाना स्याना जिला बुलंदशहर के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत करा कर अभियुक्त को जेल भेजा गया एवं अनुज्ञापी के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जिला आबकारी अधिकारी राकेश बहादुर सिंह ने कहा कि आगे भी जिलाधिकारी के निर्देशन में अवैध शराब की बिक्री को लेकर आगे भी जनपद में निरंतर गहन सर्च अभियान जारी रहेगा। उन्होंने अवैध शराब का कारोबार करने वालों को सचेत करते हुए कहा है कि उनके विरूद्ध आबकारी अधिनियम के तहत सख्त से सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गौतमबुद्धनगर। जनपद के किसानों की समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा गंभीर डीएम के निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का हुआ आयोजन किसानों की समस्याओं का गहनता के साथ अनुश्रवण करते हुए, संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापरक एवं समयबद्ध रूप से निस्तारण के दिए दिशा निर्देश प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हितार्थ चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं से कोई भी पात्र किसान न रहे वंचित किसानों के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करें अधिकारीगण उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप एवं डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में जनपद के किसानों की कृषि से संबंधित समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्ता परक रुप से निस्तारण कराने तथा प्रदेश सरकार के द्वारा किसानों के हितार्थ चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र किसानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को जिला मुख्यालय के निकट किसान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसी श्रंखला में आज जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ नितिन मदान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने किसान दिवस में उपस्थित कृषकों की समस्याओं का बहुत ही गहनता के साथ अनुश्रवण करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को कृषकों के द्वारा उठाई गई समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्ता परक रूप से निराकरण करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री जी किसानों की समस्याओं को लेकर बहुत ही गंभीर हैं, इसलिए अधिकारीगण माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप किसानों की समस्याओं का त्वरित गति के साथ निस्तारण करें एवं उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा किसानों के हितार्थ जो जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है, उनका व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार सुनिश्चित कराया जाए ताकि कोई भी पात्र किसान योजनाओं के लाभ से वंचित न रह रहे।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने इस अवसर पर उप कृषि निदेशक, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, लीड बैंक प्रबंधक तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आज किसान दिवस में किसानों के द्वारा किसान सम्मान निधि, आवारा पशुओं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, बिजली आदि की जो समस्याएं उठाई गई है, उनका त्वरित गति के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए समस्याओं का निराकरण करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर किसान दिवस में उपस्थित किसानों को जनपद में विकसित की जा रही तकनीक व उन्नतशील प्रक्रियाओं की विस्तार परक रूप से जानकारी उपलब्ध कराई गई और साथ ही इस विषय पर भी जागरूक किया कि उनके द्वारा प्रयोग की जाने वाली खाद की मात्रा उनको उपलब्ध कराए गए सॉइल हेल्थ कार्ड के निष्कर्षों के आधार पर हो। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का संचालन उप कृषि निदेशक राजीव कुमार के द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला लीड बैंक प्रबंधक तथा अन्य संबंधित अधिकारी गण एवं जनपद के सम्मानित कृषक बंधु उपस्थित रहे।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

स्थानीय समिति के पुनर्गठन के लिए मांगे आवेदन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गौतम बुद्धनगर। महिलाओं का कार्य स्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष अधिनियम) 2013 के तहत स्थानीय समिति के पुनर्गठन के लिए इच्छुक पात्र आवेदक दिनांक 25 मई 2023 तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में कर सकते हैं आवेदन। जिला अधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष अधिनियम) 2013 के अन्तर्गत जनपद गौतमबुद्धनगर के स्थानीय समितिष् के पुनर्गठन के उद्देश्य से 02 एक्सटर्नल मेंबर, जिसमें 01 महिला अनिवार्य हो का आवदेन प्रस्तावित है। उन्होंने एक्सटर्नल मेंबर के चयन के लिए मापदंड के संबंध में बताया कि समाज कार्य के क्षेत्र में कम से कम 5 साल के अनुभव वाला कोई सामाजिक कार्यकर्ता, जो महिलाओं के सशक्तिकरण तथा विशिष्टतया कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन की समस्या को दूर करने के लिए अनुकूल, सामाजिक स्थितियों का सृजन करने का मार्ग प्रशस्त करता हो एवं ऐसा व्यक्ति जिसे श्रम, रोजगार, सिविल या दांडिक विधि में अर्हता प्राप्त है तथा उक्त क्षेत्र में 5 वर्ष (वर्ष वार) का विस्तृत कार्य विवरण सहित आवेदन आमंत्रित है। इच्छुक एवं पात्र आवेदक अपना आवेदन कार्यालय जिलाधिकारी, कलेक्ट्रेट सूरजपुर में दिनांक 25 मई 2023 सायरू 05.00 बजे तक जमा करा सकते हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 21 मई को

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। प्रभारी सचिव नोडल अधिकारी (रा0लो0अ0) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विशेष न्यायाधीश (एस0सी0/एस0टी0) गैंगस्टर एक्ट एहसानुल्लाह खान ने अवगत कराया उ0 प्र0 राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 21 मई को प्रातः 10:00 बजे, राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से जनपद न्यायालय, एवं जनपद की समस्त तहसीलों में किया जाना सुनिश्चित किया गया है। इसके अतिरिक्त पारिवारिक न्यायालय एवं मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, सोनभद्र में भी लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। वादकारीगण जिनके बाद किसी न्यायालय में विचाराधीन हो, राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने वाद निस्तारित कराकर लाभान्वित हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि बैंक वसूली बाद, किरायदारी वाद, मोबाईल फोन व केबल नेटवर्क संबंधी प्रकरण, आयकर, बैंक व अन्य वित्तीय संस्थाओं से सम्बन्धित प्रकरण, ऐसे प्रकरण जिनमें पक्षकार पारस्परिक सद्भावना हेतु आपसी सुलह समझौते से निपटाना चाहें, दीवानी वाद, उत्तराधिकार वाद, पारिवारिक वाद, दाम्पत्य सम्बन्धी वाद, प्रीलिटिगेशन स्तर पर, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, चेक बाउस के मामले, जनोपयोगी सेवाओं तथा वाणिज्य कर से सम्बन्धित प्रकरण, आरबीट्रेशन सम्बन्धी वाद, श्रम विवाद से सम्बन्धित वाद, विद्युत व जल कर बकाया के बाद (शमनीय प्रकृति के वाद), वैवाहिक वाद (तलाकध्विवाह विच्छेद के मामलो को छोड़कर), भूमि अर्जन से सम्बन्धित वाद सेवा सम्बन्धी व पेन्शन सम्बन्धी मामले, जिला न्यायालय में लम्बित राजस्व वाद, अन्य सिविल प्रकृति के मामले (किरायदारी, सुखाधिकार निषेधाज्ञा वाद व संविदा के विनिर्दिष्ट अनुपालन आदि से सम्बन्धित वाद) आदि मामलों का निस्तारण किया जायेगा।

थाना पन्नूगंज के सिलहट पोस्ट का निरीक्षण कर तैनात पीएसी जवानों को ब्रीफ किया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में नक्सली संचरण पर प्रभावी रोकथाम रखने, दूरस्थ व पहाड़ी क्षेत्रों के निवासियों से समन्वय स्थापित रखने व जनता में सुरक्षा की भावना बनाये रखने एवं अभिसूचना संकलन के उद्देश्य से अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी द्वारा थाना पन्नूगंज के सिलहट पोस्ट का औचक निरीक्षण कर तैनात पीएसी जवानों को ब्रीफ किया गया। तत्पश्चात अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) के नेतृत्व में थाना पन्नूगंज पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र के सिलहट के जंगलों में मय पीएसी सघन कॉम्बिंग की गयी। काम्बिंग के दौरान स्थानीय लोगों से वार्ता कर उन्हें मुख्य धारा में रहकर पुलिस का सहयोग करने व किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखने या नक्सली संचरण के विषय मे जानकारी होने पर तत्काल पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन को अवगत कराने हेतु प्रेरित किया गया।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

डायरेक्ट नल के पानी से कभी न धोएं चेहरा... स्किन ही नहीं, बालों को भी इस तरह से होगा नुकसान

पर्सनल हाइजीन पर ध्यान देना हर किसी के लिए उतना ही जरूरी है, जितना की जीने के लिए भोजन करना. चेहरा धोने से लेकर नहाने तक हम कई तरह की व्यक्तिगत सफाई पर ध्यान देते हैं. हालांकि एक गलती है, जो अधिकतर लोग अक्सर करते नजर आते हैं और वो गलती नल के पानी से चेहरा धोने की है. आपको यह सुनने में अटपटा जरूर लग रहा होगा, लेकिन नल के पानी से चेहरा धोने से आपकी स्किन खराब हो सकती है.

एक स्किन एक्सपर्ट का कहना है कि चेहरा धोने के लिए भी अच्छे और स्वच्छ पानी की जरूरत होती है. कई लोग चेहरा धोने के लिए डायरेक्ट नल के पानी का इस्तेमाल करते हैं. मगर क्या आप जानते हैं कि नल के कठोर पानी में मौजूद मिनरल्स आपके स्किन पोर्स को बंद करने का कारण बन सकते हैं और स्किन को ड्राई बना सकते हैं, जिसकी वजह से पिंपल्स, एक्जिमा और सोरायसिस हो सकता है.

स्किन के लिए अच्छा नहीं होता अनफिल्टर्ड वॉटर

नल से आने वाले डायरेक्ट पानी का इस्तेमाल आप बर्तन साफ करने और रोजाना के घरेलू काम में कर सकते हैं. इस पानी में आयरन, मैग्नीशियम, जिंक, कॉपर और कैल्शियम जैसे तत्व होते हैं, जो शरीर को हेल्दी बनाए रखने में मदद करते हैं. हार्ड वॉटर में मैग्नीशियम और कैल्शियम की मात्रा ज्यादा होती है. लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि यह पानी फिर भी स्किन के लिए अच्छा नहीं है. क्योंकि ये स्किन से नेचुरल ऑयल को छीन सकता है और उसे ड्राई बना सकता है.

बालों को भी होता है नुकसान

डॉक्टरों का कहना है कि जब यह पानी क्लींजर या फिर साबुन के साथ मिलता है तो ये स्किन पोर्स को बंद कर देता है. सेंसिटिव स्किन वाले लोगों के लिए तो नल का पानी सबसे ज्यादा खतरनाक है. अनफिल्टर्ड वॉटर स्किन माइक्रोबायोटा के बैलेंस को बाधित करता है, जो एक्जिमा, पिंपल्स और डर्मेटाइटिस को बढ़ा सकता है. अनफिल्टर्ड वॉटर से बालों को भी बुरी तरह से नुकसान पहुंच सकता है. यही वजह है कि चेहरे और बालों को धोने के लिए हमेशा फिल्टर्ड पानी का चुनाव करना चाहिए.

लुक की वजह से स्कूल में ट्रोल होती थीं सनी लियोनी

बर्थडे गर्ल सनी लियोनी कई बेहतरीन फिल्मों में काम कर चुकी हैं. साथ ही कई फिल्मों में उन्होंने कई आइटम नंबर भी किए हैं, वो बेहद ही बोल्ड और ग्लैमरस एक्ट्रेस में से एक हैं, लेकिन कई बार उन्हें ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा है. कुछ समय

पहले उनकी जिंदगी पर बनी वेबसीरिज करनजीत कौर – द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सनी लियोनी आई थी. इस वेबसीरिज के जरिए उन्होंने अपनी पर्सनल जिंदगी से जुड़ी कई बातों को खुलासा किया है. इस वेबसीरिज में बताया गया था सनी को किस तरह स्कूल में अपने लुक को लेकर ट्रोल किया जाता है.

जी हां आपको बता दें, सनी को स्कूल में वैक्सिंग को लेकर ट्रोल किया जाता था, इस वेबसीरिज में सनी को पैरों में वैक्सिंग को लेकर ट्रोल किया जाता था. देखा जाता है स्कूल में सनी ने पैरों में वैक्सिंग नहीं कराई है, जिस कारण से उनका मजाक उड़ाया जाता है. वहीं सनी का असली नाम करनजीत कौर वोहरा है, सनी लियोनी ने खुद ये बात बताई थी कि सनी तो केवल एक ब्रांड है, जिसे लोग फिल्म, गाने या किसी फोटोशूट में देखते हैं.

सनी लियोनी ने 2012 में जिस्म 2 से एक्टिंग की शुरुआत की थी . इसके बाद वो रागिनी एमएमस 2, वन नाइट स्टैंड, कुछ कुछ लोचा है, रईस, हेट स्टोरी 2 जैसी कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं. इसके साथ ही उनके कई गाने भी रिलीज हुए हैं. वहीं उन्होंने वेबसीरिज अनामिका में भी दमदार रॉ एजेंट का रोल प्ले किया था. वह हाल ही में दुबई में एक ग्रैंड इवेंट में बतौर स्पेशल गेस्ट शामिल हुई थीं. सनी ने मंच पर रागिनी एमएमएस 2 के अपने लोकप्रिय गाने बेबी डॉल पर थिरकते हुए आग लगा दी थी. सनी लियोनी अब अनुराग कश्यप की कैनेडी में नजर आएंगी. यह 76वें वार्षिक कान फिल्म महोत्सव की ओर अग्रसर है. फिल्म का प्रीमियर मई में होगा. इसे प्रतिष्ठित फिल्म पर्व के मिडनाइट स्क्रीनिंग सेक्शन के तहत प्रदर्शित किया जाएगा.

जोगीरा सारा रा रा की रिलीज डेट में बड़ा बदलाव, 26 मई को सिनेमाघरों में फिल्म देगी दस्तक

बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी इस दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर ही नहीं बल्कि अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चे में हैं। एक्टर जल्द ही फिल्म जोगीरा सारा रा रा में नजर आने वाले हैं। पहले खबर थी कि फिल्म को इस शुक्रवार को सिनेमानघरों में रिलीज किया जाएगा, लेकिन अब फिल्म की रिलीज डेट में बड़ा बदलाव किया गया है। जी हां, जोगीरा सारा रा रा की रिलीज डेट टाल दी गई है। फिल्म अब 26 तारीख को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के मेकर्स ने यह फैसला द केरल स्टोरी को दर्शकों से मिल रहे बेहतर रिस्पॉन्स को देखते हुए लिया है। इसलिए फिल्म कुछ समय बाद सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म में नवाज डांस करते नजर आने वाले हैं। हाल ही में इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें डांस करना नहीं आता है और फिल्म में उन्हें जो स्टेप्स दिए गए थे, वे बेहद आसान थे। नेहा शर्मा ने हालांकि सेट पर खूब मस्ती की। उन्होंने नवाज के डांस के बारे में बात करते हुए कहा, शुरुआत में यह भी निश्चित नहीं था कि वह ऐसा कर पाएंगे या नहीं, लेकिन जब वह सेट पर पहुंचे और नाचने लगे, मुझे लगता है कि हर कोई उन्हें देख रहा था।

जूही परमार, राजेश कुमार, हेतल गड़ा ये मेरी फैमिली में आएंगे नजर

जूही परमार, राजेश कुमार, हेतल गड़ा और अंगद सहित कई अन्य कलाकार ये मेरी फैमिली के नए सीजन में नजर आएंगे, जो 90 के दशक पर आधारित है। यह नया सीजन 90 के दशक की जीवंतता को वापस लाएगा, जिसमें जूही परमार ने नीरजा अवस्थी का किरदार निभाया है, जो एक सख्त लेकिन अत्यधिक देखभाल करने वाली मां है, जिसकी दुनिया उसके बच्चों और परिवार के इर्द–गिर्द घूमती है।

जूही ने कहा, यह एक खूबसूरत हल्की–फुल्की कहानी है और पहली बार जब यह मुझे सुनाई गई तो मैंने सोचने में वक्त बेकार नहीं किया और तुरंत हां कर दी। मुझे ऐसे कंटेंट का हिस्सा बनना पसंद है जो प्रासंगिक हो और किसी के चेहरे पर मुस्कान लाए, ऐसी कहानी हो।

राजेश कुमार ने संजय अवस्थी की भूमिका निभाई है, जो एक खुशमिजाज पिता है। हेतल को 15 साल की रितिका के रूप में देखा जाएगा, जो टीनएजर वाली परेशानियों से गुजर रही है।राजेश ने कहारू जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी तो पुरानी यादों में मैं खो गया। मैं 90 के दशक में अपनी किशोरावस्था में था और मैं कहानी में सभी हाइलाइट्स के साथ पूरी तरह से जुड़ सकता था।

हेतल कहती हैं, मनोरंजन उद्योग की ऐसी प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ काम करने का अवसर पाकर मैं बहुत भाग्यशाली महसूस करती हूं।समीक्षकों द्वारा प्रशंसित टीवीएफ ड्रामा और कॉमेडी ये मेरी फैमिली 19 मई से अमेजन की मुफ्त स्ट्रीमिंग सेवा, अमेजन मिनी टीवी पर प्रसारित होगी।

एक को देखकर दूसरे को भी उबासी क्यों आने लगती है? आज जानिए क्या है इसका जवाब

आपने अक्सर एक चीज नोटिस कि होगी कि जब भी कोई व्यक्ति उबासी लेता है तो उसके सामने बैठे इंसान को भी अपने आप उबासी आने लगती है. कभी सोचा है आखिर ऐसा क्यों होता है. कई बार आपने ध्यान दिया होगा कि लेकिन आपको इसका सही जवाब नहीं मिला होगा.

उबासी लेने से ठंडा हो जाता है दिमाग?

स्टडी के मुताबिक इंसान जब उबासी लेता है तो इसका सीधा कनेक्शन उसके दिमाग से है. जब भी इंसान उबासी लेता है तो हमारा दिमाग ठंडा हो जाता है. असल बात यह है कि लगातार काम करते–करते हमारा दिमाग गर्म हो जाता है. ऐसे में उबासी लेकर दिमाग धीरे–धीरे ठंडा होने लगता है. अपने आप मुंह खुल जाता है और हमें उबासी आने लगती है. जम्हाई लेने के बाद आप ध्यान देंगे कि हमारा शरीर का टेंपरेचर थोड़ा डाउन पड़ता है. उसके बाद हम काफी देर तक काम कर पाते हैं.

फैल सकता है संक्रमण

रिपोर्ट के मुताबिक आपको अक्सर लंबी उबासी आती है तो इसके साइड इफेक्ट भी है. वह यह कि उबासी लेने से इंफेक्शन भी खतरा बढ़ जाता है. म्यूनिख यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में 300 लोगों पर हुए रिसर्च में यह पता चला कि दूसरों को उबासी लेता देख 150 लोगों को अपने आप उबासी आने लगी थी. यह स्थिति किसी भी बीमारी को फैलाने में सहायक हो सकती है.

जम्हाई लेने से किया जाता है मना

साइंटिस्ट की मानें तो ड्राइवर सीट के बगल में बैठे व्यक्ति को हमेशा क्यों जम्हाई या सोने के लिए मना किया जाता है? क्योंकि पूरे चांसेंस है कि अगर वह जम्हाई लेगा या सोएगा तो ड्राइवर को भी नींद आने लगेगी. जब ड्राइवर के बगल वाले सीट पर व्यक्ति जम्हाई लेता है या सोता है तो ड्राइवर ड्राइवर का मिरर न्यूरॉन सिस्टम एक्टिव हो जाता है. यही साथ वाले व्यक्ति उबासी लेने लगता है. ऐसे में जब भी नींद का एहसास होने लगता है तो एक्सीडेंट का खतरा बढ़ जाता है.